विवरणिका 2019-20
PROSPECTUS 2019-20

पतंजलि विश्वविद्यालय
UNIVERSITY OF PATANJALI

आओ- **वैदिक युग**
को वापस लायें...

Lets bring back the
Vedic Age...

पतंजलि विश्वविद्यालय के उद्देश्य

Objectives of the University

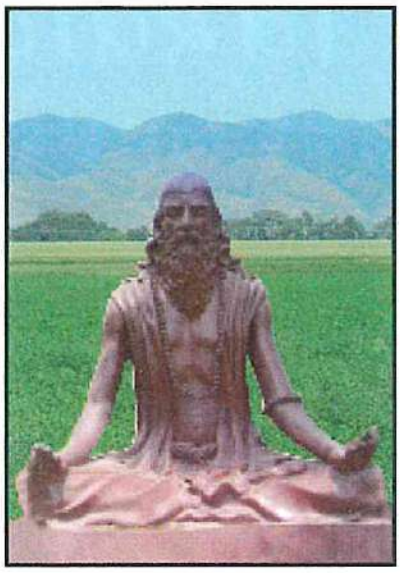

1. प्राचीन ऋषियों-महर्षियों द्वारा उपदिष्ट मौलिक तत्त्वज्ञान को आधुनिक वैज्ञानिक परिप्रेक्ष्य में व्यापक अध्ययन-परक बनाकर गहन शोध के लिए सुव्यवस्थित करना तथा उसे विश्व स्तर पर स्थापित करना।

2. राष्ट्रधर्म, स्वदेश प्रेम, स्वदेशी खानपान, आहार-शुचिता, आयुर्वेद एवं योग के संरक्षण तथा संवर्धन के विषय में युवाओं को जागृत करके रोजगार परक शिक्षा उपलब्ध कराना।

3. योग एवं आयुर्वेद सहित वेद-वेदाङ्ग आदि सभी प्राचीन विद्याओं का आधुनिक विधाओं पर आधारित स्नातक तथा स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम तैयार करना। इसके साथ ही कम अवधि के पाठ्यक्रम डिप्लोमा पाठ्यक्रम प्रारम्भ करना।

4. भारतीय संस्कृति, योग एवं आयुर्वेद के क्षेत्र में अनुसन्धान द्वारा हुए नवीन परिवर्तनों को प्रोत्साहित करने के लिये शोध केन्द्र एवं विकास केन्द्र स्थापित करना तथा उनके द्वारा–ज्ञान की विविध शाखाओं में शिक्षण एवं प्रशिक्षण की व्यवस्था करना।

5. शिक्षण संस्थानों में ज्ञान के प्रचार एवं प्रसार के लिये शोध कार्य की व्यवस्था करना, जिससे विश्व पटल पर योग एवं आयुर्वेद की प्राचीन उन विधाओं एवं शोध कार्यों को स्थापित किया जा सके, जिससे छात्र/ छात्राओं को रोजगार भी सहज उपलब्ध हो सके।

6. योग एवं आयुर्वेद के गहन अध्ययन तथा उससे सम्बद्ध ऐसी अन्य गतिविधियाँ प्रारम्भ करना, जिससे सामान्यजन को योग और आयुर्वेद के लाभ के साथ-साथ रोगमुक्त, स्वस्थ एवं समृद्ध समाज का निर्माण हो सके और राष्ट्र की सोच को विकसित किया जा सके।

7. युवाओं के मानसिक व शारीरिक स्वास्थ्य के साथ-साथ उनके व्यक्तित्व का विकास करना।

1. To initiate standardized and global teaching-learning and research on tradition knowledge propounded by sages and saints in synergy with modern science.

2. To impart vocational education among youth to induce indigenous art of living and propagate and promote Yoga and Ayurveda.

3. To launch Bachelor, P.G., Diploma, Master and Ph.D. Courses on Yoga, Ayurveda, Applied and Natural Sciences, Value Based Management and other streams of Vedic and modern knowledge as required.

4. To establish Research & Development (R & D) facilities to encourage scientific researches, innovations and global advocacy on Yoga, Ayurveda & Indian Culture. Further more, R & D is supposed to:

Design and launch innovative curricula on Vedic knowledge if necessary.

Create and advocate knowledge globally to facilitate alumni's job placement.

Initiate teaching-learning and innovations on Yoga & Ayurveda to empower health and wealth of common man for strengthening the entire nation.

ओ३म्

अनुक्रमणिका

पतंजलि विश्वविद्यालय-एक दृष्टि में	02
कुलाधिपति का संदेश	03
कुलपति का संदेश	04
प्रति-कुलपति की कलम से	05
योग व आयुर्वेद-परक ज्ञान पर हमारी मुख्य कार्ययोजनाएँ	06
सम्मान एवं पुरस्कार	07
उपलब्ध सुविधाएँ	08
पाठ्यक्रम एवं अर्हताएँ-एक दृष्टि में	12
अन्य शुल्क विवरण	17
पी-एच.डी. पाठ्यक्रम	18
स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम	18
स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम	22
स्नातक पाठ्यक्रम	24
सहायक पाठ्यक्रम	36
स्नातकोत्तर डिप्लोमा वैदिक दर्शन	38
एम.ए. संस्कृत (व्याकरण)	38
पतंजलि विश्वविद्यालय की स्थापना	38
पतंजलि विश्वविद्यालय की प्रमुख विशेषताएँ	38
विश्वविद्यालय के पीएच.डी. विद्यार्थियों द्वारा प्रकाशित अनुसंधान पत्र	40
प्रवेश प्रक्रिया एवं महत्त्वपूर्ण तिथिया	42
महत्त्वपूर्ण सूचनाएँ	42
विश्वविद्यालय नियमावली	44
छात्रावास नियमावली	46
योग विज्ञान विभाग के विद्यार्थियों हेतु प्रस्तावित दिनचर्या	48
रैगिंग	50

Content

About the University	02
Message from the Chancellor	03
Message from the Vice-Chancellor	04
Message from the Pro-Vice-Chancellor	05
Our Main Action Plan on Yoga and Ayurveda-Oriented Knowledge	06
Honor and Award	07
Infrastructure and Resources	08
Courses Option	12
Other Fees Details	17
Ph.D. Courses	19
Post Graduation Courses	19
Post Graduation Diploma Courses	23
Under Graduate Courses	25
Bridge Course	37
Post Graduation Diploma Vedic Darshan	39
M.A. Sanskrit (Vyakaran)	39
Approach to the University of Patanjali	39
Special Features of the University of Patanjali	39
University of Patanjali Publish Research Paper	40
Admission Process and Important Dates	43
Important Information	43
University Rules & Regulations	44
Hostel Rules & Regulations	46
Proposed Daily Schedule for the students of Department of Yoga Science	49
Ragging	51

पतंजलि विश्वविद्यालय एक दृष्टि में

पतंजलि विश्वविद्यालय का नाम प्राचीन भारतीय ऋषि महर्षि पतंजलि, जिन्होंने लगभग 900 ईसा पूर्व पहले योग पर सूत्र युक्त ग्रन्थ संकलित किया था, के नाम पर रखा गया है। यह विश्वविद्यालय उत्तराखण्ड राज्य विधानसभा अधिनियम 4/2006 द्वारा स्थापित किया गया है, जिसे राजपत्र में 05/04/2006 को प्रकाशित किया गया। पतंजलि विश्वविद्यालय पतंजलि योगपीठ न्यास द्वारा प्रायोजित है एवं दिल्ली हरिद्वार राष्ट्रीय राज्य मार्ग तथा गंगा किनारे हरिद्वार निकट बहादराबाद के पास में स्थापित किया गया है। यह विश्वविद्यालय भारतीय विश्वविद्यालय संघ का सदस्य है।

शिक्षा एक मानव सभ्यता का विधिपूर्वक विकसित किया गया परिणाम है। प्राचीन गुरुकुल ने सीखा और फिर वेदों और उपनिषदों में एकत्र किए गए संतों के ज्ञान को मानवता की सेवा करने के लिए स्वयं को जानो पर जोर देने के लिए प्रेरित किया। आधुनिक शिक्षा प्रणाली ने केवल सूचना एकत्रित करने तक अपने आपको सीमित रखा है, जिसका मुख्य उद्देश्य व्यवसाय योग्य बनाना एवं जिसमें व्यक्तित्व विकास द्वारा सामाजिक सौहार्द का अभाव है। प्राकृतिक संसाधनों का दोहन जीवन संचालित करने से लेकर आधुनिक मानव आत्मविनाशक भौतिकतावाद तक पहुंच गया है।

योग ऋषि रामदेव एवं आयुर्वेद शिरोमणि आचार्य बालकृष्ण ने "पुनः प्रकृति की ओर लौटने" का सिंहनाद किया है व प्राकृतिक खाद्य पदार्थों द्वारा योग एवं आयुर्वेद के माध्यम से स्वास्थ्य एवं खुशहाली का मार्ग प्रशस्त किया है। ऐसी विचारधारा का अनुसरण करने वाली बढ़ती आबादी के साथ और अधिक उत्सुकता से भारतवासी बुद्धिमत्ता को खोजने चल पड़े हैं। अध्यात्मवाद, स्वास्थ्य रक्षण, अखण्ड भारतीय शिक्षा एवं उद्यमिता इन नये पठन-पाठन विधि के चार मुख्य स्तम्भों पर पतंजलि विश्वविद्यालय विशेष रूप से प्राथमिकता देता है।

About the University

The University of Patanjali (UOP) is named after the great Indian sage Patanjali (c. 900 BC,), who first compiled the numerous writings on Yoga in the form of aphorisms. It was established through Act No. 4/2006 of Uttarakhand State Legislature published in the State Gazette on 05.04.2006. The University is sponsored by PatanjaliYogpeeth Trust (PYP) and is located on Delhi Haridwar National Highway at Bhadrabad, Haridwar by the Ganges. It is a member of the Association of Indian Universities.

Education is a systematically developed fruit of human civilization. The ancient Gurukuls learnt and then passed on to disciples the wisdom of the saints collected in the Vedas and Upanishads with emphasis on knowledge of the Self to serve humanity better. The modern education system has restricted itself to gaining information for employment purposes and very little stress was on personality development for social co-existence.

From self sustaining use of natural resources to self-destructive materialism, Revered Yog Rishi Swami Ramdev and Ayurveda Shiromani Acharya Balkrishna have given the clarion call of 'Back to Nature' and propounded the path of natural food to health and happiness through Yoga and Ayurveda. With the growing mass following, more Indians are eager to go back to its Ancient roots of Wisdom. Asceticism, health care, integral education and entrepreneurship are its four major domains of teaching-learning.

कुलाधिपति का संदेश

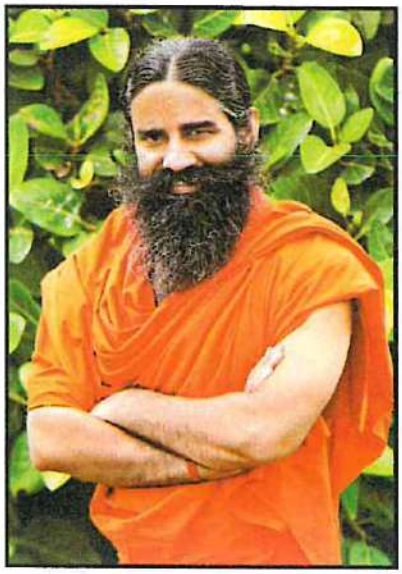

भारतवर्ष का सदियों से शिक्षा, ज्ञान, साहित्य, संगीत, कला एवं संस्कृति के क्षेत्र में गौरवमयी इतिहास रहा है। सम्पूर्ण विश्व से लोग आध्यात्मिक ज्ञान, शिक्षा-दीक्षा एवं प्रेरणा लेने भारतवर्ष आते रहे हैं

एतद्देशप्रसूतस्य सकाशादग्रजन्मनः।
स्वं स्वं चरित्रं शिक्षेरन् पृथिव्यां सर्वमानवाः॥

(मनु. २/२०)

अठारहवीं शताब्दी तक भारत शिक्षा, अर्थव्यवस्था एवं सामाजिक मूल्यों के सन्दर्भ में शीर्ष पर था। भारत की विश्व बाजार में 18 प्रतिशत की साझेदारी थी तथा इसका योगदान विश्व की आय का 27 प्रतिशत था। साक्षरता का प्रतिशत 27 था तथा 7, 32,000 प्राथमिक तथा माध्यमिक स्तर के गुरुकुल थे, जैसा कि जर्मन विद्वान् मेक्स मूलर व अंग्रेजी साहित्य के विद्वान् डब्ल्यू लिटनर का मत है। यह तथ्य ब्रिटिश सरकार के दस्तावेजों में भी उपलब्ध है। यहाँ पर 14,000 से अधिक उच्च शिक्षा के संस्थान थे, जो 18 विभिन्न क्षेत्रों में शिक्षा प्रदान करते थे, जिसमें गणित, खगोल-विज्ञान, ज्योतिष, ब्रह्माण्ड-दर्शन, भौतिक-विज्ञान, भूविज्ञान, धातुविज्ञान, दर्शनशास्त्र, शल्यचिकित्सा, चिकित्साविज्ञान, प्रबन्धन इत्यादि विषय सम्मिलित थे। बाह्य राजनैतिक शक्तियों ने घृणित खेल खेलते हुए भारत को अपना गुलाम ही नहीं बनाया अपितु उसकी शताब्दियों से चली आ रही स्वर्णिम एवं वैभवशाली ज्ञान परम्परा, सांस्कृतिक विचारधारा, आध्यात्मिक ज्ञान-विज्ञान व सामाजिक भावनाओं को भी क्षतिग्रस्त किया।

वर्तमान में भारतवर्ष में लगभग सैकड़ों विश्वविद्यालय, सहस्त्रों महाविद्यालय और लाखों प्राथमिक व माध्यमिक स्तर के विद्यालय हैं, जो विज्ञान, तकनीकी व प्रबन्धन के क्षेत्र में शिक्षा प्रदान कर रहे हैं। आज भारत में विज्ञान, तकनीकी के विश्वस्तरीय शिक्षण संस्थान हैं, लेकिन फिर भी वे युवाओं को संस्कारित, सामाजिक मूल्यों एवं सद्भावनाओं से ओतप्रोत करने में तथा स्वप्रबन्धन की शिक्षा देने में असफल हैं। हम यौगिक जीवनपद्धति, जीवन-प्रबन्धन, दैवीय संस्कृति, सद्वृत्त, वैदिक संस्कार, इतिहास व अन्य स्वदेशी ज्ञान को शिक्षण, ज्ञानार्जन व शोध क्षेत्र में शामिल करना चाहते हैं।

हम आशा करते हैं कि स्वदेशी शिक्षा पद्धति से युवाओं में दिव्य संस्कारों का बीजारोपण एवं उनके अन्तर्निहित उच्च संभावनाओं का जागरण व दिव्य गुणों का विकास होगा, जिससे वे एक आदर्श, सफल एवं प्रेरक व्यक्ति बन सकेंगे। पतंजलि विश्वविद्यालय वैदिक ऋषि-परम्परा पर आधारित शिक्षा द्वारा व्यावसायिक दक्षता, आत्मनिर्भरता, सामाजिक सद्भावना, संवेदना आदि गुणों का विकास कर युवाओं का पथ प्रशस्त करेगा, जिससे वे यत्र-तत्र धनार्जन के स्रोतों को खोजने के स्थान पर स्वावलम्बी होकर रोजगार, स्वास्थ्य प्रबन्धन एवं जीवन प्रबन्धन के क्षेत्रों में सफल हो सकेंगे।

स्वामी रामदेव

Message from the Chancellor

India, since time immemorial, has held an outstanding place in knowledge, literature, music, art and culture. Scholars like Megasthenes, Heun Tsang et al from across the globe came to India in search of spiritual knowledge, education and inspiration.

Atadyeshprasutasya
Sakashadgrajanmanah.
SvamSvamCharitramShiksheran
PrithivyamSarvamanvah.

(Manusmritih 2/20)

Till the Eighteenth Century, India was at the pinnacle in education, socio economic values with 18% share in world trade. According to Max Mueller and W Litner, it had 27% share of the world's income and there existed 7,32,000 elementary and school level Gurukuls. Another 14,000 institutions of higher learning like Takshila, Nalanda, Ujjain etc. were imparting higher education in 18 different disciplines like Mathematics, geography.

Outside political forces such as imperialism used dubious means to enslave India for centuries. Though Indians were enslaved, but their culture, heritage, tradition, and education could not be eradicated. Today India is one of the countries producing highest percentage of brilliant scholars who are leaders in their individual fields. From the fields of Science and Technology to Research and Development, from Literature and Philosophy to Art and Music, Indians have made their presence felt globally. Internationally acclaimed educational institutions like the IITs, and IIMs are imparting education on Science, Technology and Management. Researchers and counsellors have observed that India is generating highly educated youths with poor empathy, discipline, and self-management.

University of Patanjali incorporates Yoga, life management skills, good manners, Vedic rituals, in the teaching-learning process. We hope to establish indigenous educational system and mould our youth into role models and successful persons by instilling universal values in them and awakening their dignity and divinity. University of Patanjali serves as an ideal Gurukulof Vedic Sage Tradition and is firmly determined to develop professionally competent, self-managed and socially empathetic youths.

(Swami Ramdev)

कुलपति का संदेश

सभ्य समाज के विवेक और संस्कार में हो रहा निरन्तर ह्रास शुभ संकेत नहीं है, इसलिए आधुनिक एवं प्राचीन ज्ञान के सर्वस्पर्शी समायोजन द्वारा हम एक शैक्षिक क्रान्ति का प्रसार करना चाहते हैं। हम युवाओं में आत्म-निर्भरता, स्व-प्रबन्धन एवं सामाजिक संवेदना के गुणों को विकसित करने के प्रति आशान्वित हैं, जिससे कि वे राष्ट्रीय उत्थान में नित्य-नवीन सामाजिक और शैक्षिक परिवर्तन कर सकें। हम 'स्वदेशी स्वास्थ्य उद्यमिता' को बढ़ावा देना चाहते हैं ताकि देश को चिकित्सा के नाम पर हो रही ठगी और अत्याचार से बचाया जा सके तथा देशवासियों को समग्र स्वास्थ्य मिल सके, क्योंकि शरीर ही धर्म का पहला साधन होता है।

शरीरमाद्यं खलु धर्मसाधनम्। (कुमारसंभवम्)

योग और आयुर्वेद पर आधारित प्राचीन, स्वदेशी आयुर्विज्ञान सहज, सुलभ, वैज्ञानिक, समग्रतापूर्ण और दुष्प्रभावरहित है, इसलिए हम योग और आयुर्वेद को देश की मुख्यधारा की चिकित्सा पद्धति बनाना चाहते हैं, जिसके लिए पतंजलि विश्वविद्यालय दोनों विषयों के मर्मज्ञ विद्वानों को तैयार करने की योजना को क्रियान्वित कर रहा है। स्वदेशी, अध्यात्मवाद, स्वास्थ्य, शिक्षा और उद्यमिता के द्वारा एक अभिनव क्रान्ति करके नवयुग की शुरुआत करना पतंजलि विश्वविद्यालय का उद्देश्य है। हम ऐसे स्नातक तैयार करना चाहते हैं, जो योग्यतापूर्वक स्वदेशी उद्यमिता और रोजगार के साधनों को बढ़ावा देकर वर्तमान समय की नास्तिकतावादी त्रासदी, स्वास्थ्य समस्याओं और बेरोजगारी से निपट सकें। स्नातकों से अपेक्षा है कि वे परिवर्तनकारी बनकर स्वस्थ, समृद्ध, संस्कारित, शान्त और समरस राष्ट्र के निर्माण में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाएँ।

हमारी वैदिक परम्परा परा और अपरा विद्या की शाश्वत सम्पत्ति का भण्डार है। हम पतंजलि विश्वविद्यालय को एक अग्रणी शिक्षण-संस्थान बनाने के लिये दृढ-संकल्पित हैं, जिसके द्वारा योग, आयुर्वेद, भारतीय संस्कृति, दर्शन, मनोविज्ञान, प्रबन्धन, वेद, पर्यटन और अन्तर्विषयक शोध आदि की गुणवत्तापरक शिक्षा प्रदान की जा सके। योग, आयुर्वेद, प्राकृतिक चिकित्सा और अन्य स्वदेशी चिकित्सा पद्धतियों को जोड़कर बनाये गये एक श्रेष्ठ पाठ्यक्रम का प्रारम्भ एवं पतंजलि विश्वविद्यालय में उसका मानकीकरण समग्र स्वास्थ्य प्रबन्धन एवं रोजगार-सृजन के लिये एक वरदान सिद्ध होगा।

अन्त में मैं सभी विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करता हूँ।

आचार्य बालकृष्ण

Message from the Vice-Chancellor

Devaluation of wisdom and psychic impressions in civilized society is not a good sign. So our endeavour is to propagate educational revolution by advancing fusion of knowledge and wisdom and psychic refinement in our students. We hope to inculcate qualities of self-reliance, self management and immense national pride among youth who will be capable enough to initiate innovative social and educational reforms for national upliftment. We wish to propagate indigenous health systems to get our nation rid of atrocity in the name of treatment, thereby promoting total health care. It is because physique is the main means of practicing Dharma.

SharirmadyamKhaluDharmasadhanam.

(Kumarsambhavam)

Indigenous therapy systems based on Yoga and Ayurveda are cost effective, easy, accessible, scientific, holistic and free from side-effects. So we wish to mainstream Yoga and Ayurveda under national therapy systems by producing eminent scholars of both subjects at University of Patanjali (UOP). UOP aims at rejuvenating a new era by triggering novel revolution in the domains of health and education. We hope to produce graduates who will be competent enough to reduce unemployment, famine, and health problems by promoting indigenous knowledge and creating employment opportunity. They will work as agents of change and contribute significantly to build a healthy, civilized nation, thereby making India a global center of peace and harmony.

Our Vedic tradition is an eternal treasure for both tangible and intangible aspects of knowledge. We are firmly resolved to establish UOP as a leading educational institution of the world for imparting quality education on Yoga, Ayurveda, Divine Culture, Natural and Applied Sciences, Value Based Management, Social Sciences and allied knowledge streams as per the contemporary need. Launching of novel curriculum developed by integrating Yoga, Ayurveda, Nature Cure and other indigenous therapeutic techniques, UOP will be one of the greatest hub for holistic health management and thus enable job placement opportunities for its scholars.

At the end, I extend my best wishes to all learners.

आचार्य बालकृष्ण

(Acharya Balkrishna)

प्रति-कुलपति की कलम से

भारतवर्ष के प्राचीन वन्दनीय ऋषि-मुनियों-आचार्यों की परम्परा का पावन स्मरण करते हुए, पुन: इस देश को विश्वगुरु के पद पर प्रतिष्ठित करने की संकल्पना के साथ परमपूज्य स्वामी रामदेव जी महाराज ने हरिद्वार की पुण्यभूमि में पतंजलि विश्वविद्यालय की स्थापना की है। इसी नगरी में अमर हुतात्मा स्वामी श्रद्धानन्द जी ने गुरुकुल परम्परा प्रारम्भ की थी।

इस देश के होनहार बालक, बालिकाएं प्राचीन एवं अर्वाचीन विषयों का गम्भीर अध्ययन कर वेद, आयुर्वेद, योग, दर्शन, संस्कृत, मनोविज्ञान आदि के साथ-साथ विज्ञान, कम्प्यूटर, गणित, संगीत आदि में भी निष्णात हों। विश्वविद्यालय के स्नातक, चरित्रवान्, विद्वान्, बलवान् और देशभक्त बन देश-विदेश में भारतीय परम्पराओं के संवाहक बनें, यही स्वप्न पूज्य स्वामी जी का तथा विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति तथा पतंजलि योगपीठ के महामन्त्री आदरणीय आचार्य बालकृष्ण जी का है।

इस उद्देश्य की प्राप्ति के लिये विश्वविद्यालय में समय-समय पर शोध सम्मेलन, विभिन्न प्रतियोगितायें, सांस्कृतिक, साहित्यिक समारोह आदि का आयोजन होता रहता है। शारीरिक, बौद्धिक और आत्मिक शक्ति को बढ़ाने का यह एक अनुपम शिक्षण संस्थान है।

पूज्य स्वामीजी (कुलाधिपति जी) एवं माननीय आचार्य जी (कुलपति जी) की आंखों में नालन्दा और तक्षशिला विश्वविद्यालय का दिव्य-भव्य चित्र सदैव तैरता रहता है। अपने इस पुनीत संकल्प को साकार करने के लिये पतंजलि विश्वविद्यालय के नूतन भवन का निर्माण कार्य द्रुत गति से प्रगति पथ पर अग्रसर है।

भाग्यशाली होंगे वे बालक-बालिकायें जो इस विद्या-मन्दिर में उच्च शिक्षा ग्रहण करते हुए योगर्षि पूज्य स्वामी रामदेवजी महाराज एवं श्रद्धेय आचार्यश्री का स्नेह, आशीर्वाद एवं मार्गदर्शन प्राप्त करेंगे।

मैं इस विश्वविद्यालय में प्रवेश ग्रहण करने वाले अपने प्रिय छात्र-छात्राओं का स्नेह पूर्वक स्वागत करता हूँ। उनके सर्वविध-मंगलमय, आनन्दमय, सफल जीवन की मंगल कामना करता हूँ।

प्रो० महावीर अग्रवाल

Message from the Pro-Vice-Chancellor

Recognizing the tradition of the ancient and venerable Rishi-Munis-Acharyas of India, and with the vision of restoring its pride as the world guru; Patanjali University has been established by ParamPujya Swami RamdevJiMaharaj in the blessed/holy land of Haridwar. In this city, the great soul Swami Shri Shraddhanandji started the Gurukul tradition.

The glorious children of this country can seriously study and be master of ancient and indispensable subjects such as Veda, Ayurveda, Yoga, Philosophy, Sanskrit, Psychology, as well as of Computer, Maths, Music, etc.

The University graduates can become noble, full of good character, scholarly, strong and patriotic and the torch bearers of Indian traditions abroad. This is the dream of Swami Ji and the University's Honorable Vice-Chancellor, respected Acharya BalkrishnaJi of PatanjaliYogpeeth. For the purpose of achieving this objective, the research conferences, various competitions, cultural, literary ceremonies are being organized from time to time in the University. It is an unique institution to enhance physical, intellectual and spiritual power.

The divine magnificence and glory of Nalanda and Takshshila University is always in the eyes of ParamPujya Swami Ji (Honorable Chancellor) and Hon'ble Acharya Ji (Vice-Chancellor). To realize this sacred vision, the construction work of Patanjali University's new building is fast progressing.

Lucky shall be those students who receive Higher Education in this University and they will receive blessings and guidance from Yog Rishi Pujya Swami RamdevJiMaharaj and respected Acharya BalkrishanJi.

I extend my heartfelt welcome to my dear students who are seeking admission in this university. I wish you all the best for a happy and successful life.

(Prof. Mahavir Aggarwal)

योग व आयुर्वेद-परक ज्ञान पर हमारी मुख्य कार्ययोजनाएँ

(क) वर्त्तमान समय में बढ़ते हुए प्रदूषण, मानसिक तनाव, अस्त-व्यस्त जीवन शैली व शारीरिक श्रम के अभाव से करोड़ों देशवासी व विश्व समुदाय के लोग एक गहरे स्वास्थ्य संकट से गुजर रहे हैं। जीवन के मूलस्त्रोत आहार, वायु व जल अत्यधिक विषैले हो गए हैं, जिससे कैंसर, टी.बी, दमा, एलर्जी, मोटापा, मधुमेह, हृदयरोग व उच्च रक्तचाप जैसे खतरनाक रोगों से जनसामान्य के लिए जीवन का संकट उपस्थित हो गया है। सभी प्रकार की उपचार पद्धतियाँ अभी तक आंशिक रूप से ही रोगों के उपचार में सफल हो सकी हैं, अत: हम समस्त विश्व को योग एवं आयुर्वेद के माध्यम से चिकित्सा का एक सस्ता, सरल, सहज, वैज्ञानिक व प्रभावशाली विकल्प प्रदान करना चाहते हैं। योग एवं आयुर्वेद की शिक्षा पर आधारित उच्चस्तरीय पाठ्यक्रम तैयार करके ऐसी प्रतिभायें देश व विश्व समुदाय को देना, जो दुनिया को स्वास्थ्य व संस्कारों के संकट से मुक्त कर एक स्वस्थ, समृद्ध, संस्कारवान् व सुखी विश्व का निर्माण कर सकें।

(ख) योग एवं आयुर्वेद परक प्राचीन ऋषि परम्परा से प्राप्त ज्ञान को विद्यार्थियों के शिक्षण-प्रशिक्षण हेतु प्रदान करना।

(ग) योग एवं आयुर्वेद आधारित डिप्लोमा पाठ्यक्रम, स्नातक पाठ्यक्रम, स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम व उच्चतम, आधुनिक वैज्ञानिक अनुसन्धान की सुविधायें उपलब्ध कराना।

(घ) आधुनिकतम विज्ञान की अनुसन्धान शालाओं में योग एवं आयुर्वेद को विज्ञान के आलोक में परखकर उसकी प्रामाणिकता व वैज्ञानिकता के प्रति विश्वस्त करके एक नई चिकित्सा व्यवस्था की प्रतिष्ठापना करना।

(ङ) शिक्षण-प्रशिक्षण के साथ ही साथ विश्वविद्यालय में अध्ययनरत विद्यार्थियों को विश्वस्तरीय संस्थानों में रोजगार के माध्यम सृजित करना। योग एवं आयुर्वेद को राष्ट्रीय चिकित्सा पद्धति के रूप में प्रतिष्ठापित करने हेतु एक व्यापक कार्ययोजना व संकल्पना के लिए सतत प्रयास करना।

(च) विश्वविद्यालय के छात्रों के भविष्य हेतु कार्ययोजनाएँ-

विश्वस्तरीय शिक्षण व स्वास्थ्य संस्थाओं में रोजगार हेतु व्यापक स्वरूप स्थापित करना। विश्वविद्यालय की सुदृढ़ शिक्षण व्यवस्था के माध्यम से विद्यार्थियों को योग एवं आयुर्वेद के विषय में पारंगत करना, जिससे कि वे स्वावलम्बी होकर योग एवं आयुर्वेद के केन्द्र व संस्थान स्थापित कर रोजगार के पुन: नवीन अवसर सृजित कर सकें।

Our Main Action on Yoga and Ayurveda-oriented Knowledge

In modern times, millions of our countrymen and people all over the world are facing a major health crisis due to rising pollution, stress, chaotic lifestyle and lack of physical work. Food, air and water the main correlates of life have become highly toxic. Therefore, there is a threat to the life of millions of people from dangerous diseases like cancer, TB, asthma, allergy, obesity, diabetes, cardiac problems etc. All other systems have achieved only partial success in the treatment of prevailing disease and therefore, we wish to give inexpensive, simple, natural, scientific and efficacious alternative medicines. Our global aims are :

a) To prepare a comprehensive syllabus based on Yoga & Ayurveda to produce competent professionals for the community to emancipate the globe from the crisis of illness and to create a healthy, happy, prosperous and cultured world.

b) To facilitate students for Diploma, Graduate Degree, Postgraduate Degree and the most advanced research-based education on Yoga and Ayurveda.

c) To impart the knowledge of Yoga and Ayurveda to our students that we have inherited from our ancestors and test their Vedic knowledge in the light of modern science in our latest Research Centers. This will create reliability, authenticity and validity of learning.

d) To mould the students to get self-employment opportunities through proper action plan so that they can compete at the global level. They will work for a comprehensive action plan to establish Yoga and Ayurveda as our National Systems of medicine.

e) Suitable action plans are given below:

To initiate job creations in the educational and health institutions of our country, and the world at large.

To promote Panchkarma, Shatkarma and other traditional therapeutic procedures in PatanjaliChikitsalay run by PatanjaliYogpeeth and to supply Vaidyas and Yogacharya to other centers.

To teach and train students in a way so that they can set up their own Institutions/Centers of Yoga and Ayurveda to create new employment opportunities for themselves and others as well. PatanjaliYogpeeth will extend its cooperation in this process of making students self-reliant.

सम्मान एवं पुरस्कार
Honor & Award

उपलब्ध सुविधाएँ

नैतिक वातावरण

छात्रों के संस्कार, अच्छी आदतों तथा मूल्य आधारित विकास के शिक्षण पर बल दिया जाता है। छात्र/छात्राओं में अपनी सभ्यता, संस्कृति, राष्ट्र व मानवता के प्रति निष्ठा तथा कर्तव्यबोध को विकसित करने का प्रयास किया जाता है।

संस्कृत शिक्षा

आयुर्वेद में अध्ययनरत छात्र/छात्राओं की पृष्ठभूमि विज्ञान की होती है, जबकि आयुर्वेद में चरक, सुश्रुत, धन्वन्तरि तथा आयुर्वेद के अन्य ग्रन्थों का ज्ञान एवं परम्परा संस्कृत भाषा में है। इन ग्रन्थों को तब तक नहीं समझा जा सकता, जब तक छात्र-छात्राओं को संस्कृत भाषा का ज्ञान न हो। पतंजलि विश्वविद्यालय में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं को संस्कृत के अध्ययन-अध्यापन की विशेष व्यवस्था की गयी है, जिससे छात्र-छात्राओं योग एवं आयुर्वेद से सम्बद्ध ग्रन्थों में स्थित ज्ञान-विज्ञान को सरलता से प्राप्त कर सकें।

स्वस्थ वातावरण

पतंजलि विश्वविद्यालय ऋषि-मुनियों एवं साधकों की तपःस्थली तथा सभ्यता व संस्कृति की उद्गमस्थली हरिद्वार की पुण्य भूमि पर शहर के प्रदूषण एवं कोलाहल से मुक्त प्रकृति की गोद में स्थित है। यहाँ रहकर छात्र/छात्राएं सौहार्दपूर्ण परिवेश में अपना सर्वांगीण विकास कर सकते हैं।

आध्यात्मिकता का वातावरण

छात्र/छात्राओं में सेवा-भाव, कार्य-कुशलता, कर्मठता और स्वावलम्बन आदि गुणों के विकास के लिए सेवा-प्रकल्पों की व्यवस्था की गयी है। इसमें छात्र/छात्राओं द्वारा सफाई, बागवानी, आस-पास के क्षेत्रों में जाकर शिविर आयोजन के द्वारा जनसेवा आदि के कार्य सम्पादित किये जाते हैं।

पुस्तकालय

विश्वविद्यालय में प्राचीन आर्ष साहित्य, आधुनिक विज्ञान एवं तकनीकी की पुस्तकों से सुसज्जित एक बृहत् पुस्तकालय है, जिसमें 30,500 पुस्तकें उपलब्ध हैं। विद्यार्थियों के ज्ञान संवर्धन हेतु वाचनालय में विभिन्न समाचार-पत्र एवं पत्रिकाएं भी उपलब्ध कराये जाते हैं।

अंग्रेजी शिक्षा

अंग्रेजी शिक्षा को एक अनिवार्य विषय के रूप में रखा गया है ताकि हमारे छात्रों की सम्प्रेषण क्षमता (Communicative Skills) उत्तम हो तथा वे योग एवं आयुर्वेद के ज्ञान को विश्व पटल पर स्थापित कर सकें।

Infrastructure and Resources

Moral Atmosphere

Quality education based on morals and ethics is emphasized at the University. Students are groomed in daily life through Vedic tradition, Rishikul culture, nationalism and humanity.

Sanskrit Linguistics

Students of the University come from the arts & science background. However, traditional sciences like Ayurveda, Yoga etc. are in Sanskrit language. All the students have opportunity to learn Sanskrit for better understanding of Classical texts.

Healthy Atmosphere

University of Patanjali is a holy place blessed by sages and saints. It is situated in a green pollution free zone. Students transform themselves here within its conducive atmosphere.

Spiritual inculcation

Yajna is mandatory for all hostellers to empower their holistic health and harmony.

Library Facility

University has more than 30,500 books on ancient literature, modern science and technology. Different type of newspapers and magazines are also available in the reading room.

Communicative English

For global spread of Indian traditional sciences, Communicative English has been made compulsory for all students.

चिकित्सा सुविधा

यदि छात्र-छात्राऐं यदा-कदा रोगग्रस्त होते हैं, तो पतंजलि योगपीठ परिसर में स्थित ओ.पी.डी. व आई.पी.डी. में उनकी चिकित्सा की समुचित व्यवस्था उपलब्ध है। इसके अतिरिक्त पतंजलि योगपीठ परिसर में पंचकर्म व षट्कर्म सहित अत्याधुनिक मशीनों से युक्त पैथोलॉजी, रेडियोलॉजी, कार्डियोलॉजी आदि में सभी प्रकार के चिकित्सकीय परीक्षणों की सुविधाएं उपलब्ध हैं।

विशेष प्रशिक्षण की व्यवस्था

योगऋषि स्वामी रामदेव जी महाराज के निर्देशन में देश के शीर्ष साधु सन्तों, विद्वानों, बुद्धिजीवियों द्वारा छात्र/छात्राओं के लिए विशेष प्रबोधन की व्यवस्था करायी जाती है।

छात्रवृत्ति

निर्धन व मेधावी छात्र-छात्राओं को वरीयता के आधार पर छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है तथा उनकी यथासम्भव सभी प्रकार से सहायता करने का प्रयत्न किया जाता है।

छात्रों का सर्वांगीण विकास

छात्र-छात्राओं को विशेषज्ञों द्वारा संस्कृत सम्भाषण का विशेष अभ्यास कराया जाता है। छात्र/छात्राओं में ज्ञान-वर्धन तथा अपनी सभ्यता-संस्कृति तथा इतिहास आदि का ज्ञान, निष्ठा व आत्मगौरव जागृत करने के उद्देश्य से विविध धार्मिक स्थलों, शैक्षणिक, ऐतिहासिक, प्रौद्योगिक सम्बन्धी संस्थानों का परिभ्रमण भी कराया जाता है।

भोजन व्यवस्था

विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों को शुद्ध, पौष्टिक व ऋतु के अनुकूल भोजन दिया जाता है। विविध पर्वों के अवसरों पर तदनुरूप भोजन तथा फलाहार की भी व्यवस्था की जाती है।

छात्रावास की सुविधा

विद्यार्थियों के निवास हेतु छात्रावास की सुविधा उपलब्ध है। छात्र/छात्राओं को अलग-अलग छात्रावासों में उनकी योग्यता के अनुसार रहने की सुविधा प्रदान की जाती है।

क्रीड़ा सुविधाएँ

पतंजलि विश्वविद्यालय में छात्र-छात्राओं के लिए विभिन्न खेल सुविधाएँ उपलब्ध हैं जैसे- खो-खो, कबड्डी, वॉलीबॉल, फुटबॉल, हैंडबॉल, बेड-मिन्टन, क्रिकेट, वूडबॉल, तीरंदाजी, टेबल-टेनिस, कुश्ती, शतरंज, जिम्नास्टिक, मलखम्भ, ऐथलेटिक्स इत्यादि।

Medical Facility

In case of any casualty, proper OPD and IPD facilities are available in the Patanjali Ayurveda Hospital. Besides, Panchkarma, Shathkarma, Pathology, Radiology, Cardiology Centres and Labs are also well established.

Arrangement for Special Learning

Students will be provided an opportunity to learn and live Swamiji's Lessons through his advanced spiritual/yogic teachings.

Scholarship and Concession

Poor but talented students are given preference for admission and scholarship.

Development of Students

Students are promoted to develop their own knowledge, culture, history and self-esteem through sports, cultural events and allied extra curricular activities like NSS.

Mess Facility

Pure, nutritious and seasonal vegetarian food is served to students at the University Mess. On various festivals and occasions, special foods and fruits are served.

Hostel Facility

Separate Hostels with first class facilities are available for both boys & girls. Seats limited and allotment is on merit and first come first served basis.

Sports Facility

Various indoor & outdoor sports facilities are available at the University such as- Kho-Kho, Kabaddi, Volleyball, Football, Handball, Badminton, Cricket, Wood-Ball, Archery, Table-Tennis, Wrestling, Chess, Gymnastic, Mallkhambh, Athletics etc.

Internet Facility

Internet facility is available to students.

Book Loan Facility

A book loan facility is available to needy students.

Transport Facility

Public transport is readily available out of its main gate at Delhi-Haridwar NH-58. Nearest Railway stations are Roorkee-15 km. & Haridwar-18km.

इण्टरनेट की सुविधा
विद्यार्थियों को आधुनिक ज्ञान एवं विज्ञान से जोड़ने हेतु इण्टरनेट की सुविधा भी उपलब्ध है।

पुस्तकऋण सुविधा
छात्र/छात्राओं को यथासंभवऋण के रूप में पुस्तकें प्रदान करायी जाती हैं।

परिवहन सुविधा
छात्रों के लिए नि:शुल्क परिवहन सुविधा उपलब्ध है। विश्वविद्यालय राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित है और आसानी से सार्वजनिक परिवहन के माध्यम से पहुंचा जा सकता है। विश्वविद्यालय की तरफ से बस सुविधा रुड़की तथा हरिद्वार के लिए उपलब्ध है।

लॉन्ड्री व्यवस्था
छात्रों की कठिनाइयों को ध्यान में रखते हुए कपड़ों के प्रक्षालन हेतु एक बड़ी लॉन्ड्री की परिसर के भीतर सुविधा उपलब्ध है।

सुरक्षा
विश्वविद्यालय की सुरक्षा के लिए पूरे समय सुरक्षाकर्मी तैनात रहते हैं। विश्वविद्यालय का सम्पूर्ण भवन भूकम्प अवरोधी है तथा अग्नि सुरक्षा यन्त्र जगह- जगह लगे हुए हैं। विश्वविद्यालय परिसर एवं छात्रावास सी. सी.टी.वी. कैमरे की निगरानी में है।

शुद्ध पेयजल
आधुनिक जल शोधन प्रणाली से 100 प्रतिशत शुद्ध पीने के पानी की व्यवस्था है।

बैंक तथा अन्य सुविधाएं
पतंजलि विश्वविद्यालय में दैनिक प्रयोग की वस्तुओं को विश्वविद्यालय के विक्रय केन्द्र से क्रय किया जा सकता है। परिसर में पंजाब नेशनल बैंक और भारतीय स्टेट बैंक की शाखायें भी स्थित हैं, जहाँ ए.टी.एम. की सुविधा भी उपलब्ध है। छात्र/छात्राओं, अभिभावकों तथा आगन्तुकों की सुविधा के लिए परिसर में ही ट्रैवल एजेंट का कार्यालय स्थित है।

Laundry
Keeping in view the difficulties students face to wash their clothes, a big laundry has been setup within the campus. This laundry is well equipped with modern equipments and caters to their need at nominal charges.

Security
Full security is provided in the campus area. The private security personnel are deployed at all important locations with CC TV surveillance.

Water Filtration
Modern water purification systems are installed to ensure 100% pure drinking water.

Banking and postal Facilities
Banking & mailing facilities are available in the campus area. Post Office, SBI & PNB Bank with ATMs, Patanjali Mega Store, shops, travel agency etc are available within PatanjaliYogpeeth campus.

अनुसन्धान और प्रशिक्षण

पतंजलि विश्वविद्यालय से विभिन्न विषयों पर ऑनलाइन और ऑफलाइन शोधपत्र/पत्रिकाओं का प्रकाशन किया जाता है तथा विविध प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं।

अन्य अनुसन्धान संस्थानों के साथ विश्वविद्यालय की भागीदारी :

1. गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय, हरिद्वार
2. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, रुड़की
3. उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय, हरिद्वार
4. देव संस्कृति विश्वविद्यालय, हरिद्वार
5. अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, ऋषिकेश

दुर्लभ पाण्डुलिपियों का प्रकाशन

दुर्लभ एवं प्राचीन योग, आयुर्वेद से सम्बन्धित पाण्डुलिपियों का प्रकाशन भी विश्वविद्यालय द्वारा किया जाता है। पतंजलि विश्वविद्यालय के पुस्तकालय में ऐसे ही सैकड़ों प्रकाशित और अप्रकाशित पाण्डुलिपियाँ हैं। यहाँ तक कि छः दुर्लभ एवं प्राचीनतम अप्रकाशित पाण्डुलिपियों का पहली बार प्रकाशन भी विश्वविद्यालय के द्वारा किया गया है।

अनुसंधान विभाग

पतंजलि जड़ी-बूटी अनुसन्धान विभाग सतत औषधीय पौधों की खोज एवं संकलन में लगा हुआ है, जिससे सम्बन्धित विभिन्न पुस्तकें, शोध-पत्र आदि प्रकाशित हो चुके हैं।

राष्ट्रीय सेवा योजना

राष्ट्रीय सेवा योजना, भारत सरकार का एक सार्वजनिक सेवा कार्यक्रम है जो भारत सरकार के युवा मामले और खेल मंत्रलय द्वारा संचालित किया जाता है। इसका उद्देश्य सामुदायिक सेवा के माध्यम से विद्यार्थियों के व्यक्तित्त्व को विकसित करना हैं। पतंजलि विश्वविद्यालय में इस योजना में रक्तदान शिविर, स्वस्थ्य भारत, हरित भारत, कौशल भारत, महिला आत्मरक्षा और पर्यावरण संरक्षण के बारे में जागरूकता रैली जैसी विभिन्न गतिविधियाँ होती हैं । इस योजना का मुख्य उद्देश्य भारतीय युवाओं को "मैं नहीं परन्तु आप" सीखना है।

Research and Training

Various guest lectures, workshop etc. on relevant subjects are arranged as and when required. Students are encouraged to write Research Papers and publish them in reputed national and international journals.

Collaboration with other Research Institutions and Universities:

1. DevSanskritiVishwavidyalaya, Haridwar,
2. Indian Institute of Technology, Roorkee,
3. Uttarakhand Sanskrit University, Haridwar,
4. GurukulKangriVishwavidyalaya, Haridwar etc.
5. AIIMS Rishikesh

Publication of Rare Manuscripts

Publication of rare manuscripts is being done in R & D Cell of the University. There are hundreds of published and unpublished manuscripts in the library.

Patanjali Research Institute (PRI)

Patanjali Research Institute is continuously engaged in the search and research of medicinal plants scattered across the globe. Many books and research papers have been published.

NSS

The National Service Scheme (NSS) is an Indian Government public service program conducted by the Ministry of Youth Affairs and Sports of the Government of India. Its aim at developing student's personality through community service. This service scheme has been working in the University of Patanjali Various activities like blood donation camp, awareness rally about healthy India, green India, skill India, women self defence and environment protection undergoes in this scheme. The prime motto of the scheme is to learn 'Not me but you."

पाठ्यक्रम एवं अर्हताएँ एक दृष्टि में

COURSE OPTIONS

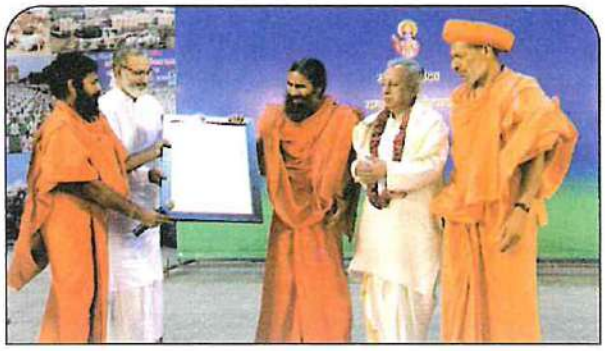

स्नातक पाठ्यक्रम

बी.ए. (योग विज्ञान के साथ) - BAYS

अवधि: 3 वर्ष
कुल सीट: 50
शैक्षणिक प्रवेश अर्हता: 60% अंकों के साथ इन्टरमीडिएट
सत्र शिक्षण शुल्क: 10,000/-
बी.ए. (योग विज्ञान के साथ) का पाठ्यक्रम विवरण :

1. योग विज्ञान (अनिवार्य)
2. मनोविज्ञान
3. सांस्कृतिक पर्यटन
4. संस्कृत
5. इतिहास

(इन विषयों में से किन्हीं दो विषयों , का चयन अभ्यर्थी द्वारा किया जायेगा)

6. अंग्रेजी (सभी अभ्यर्थियों के लिए अनिवार्य होगा। अंग्रेजी परीक्षा भी उत्तीर्ण करना भी आवश्यक होगा)

बी.ए. संस्कृत (वैदिक एवं लौकिक साहित्य) - BASS

अवधि: 3 वर्ष
कुल सीट: 50
शैक्षणिक प्रवेश अर्हता: 60% अंकों के साथ इन्टरमीडिएट
सत्र शिक्षण शुल्क: 10,000/-

बी.एस-सी. योग विज्ञान -BSYS

अवधि: 3 वर्ष
कुल सीट: 50
शैक्षणिक प्रवेश अर्हता: 60% अंकों के साथ इन्टरमीडिएट (विज्ञान विषय के साथ)
सत्र शिक्षण शुल्क: 12,500/-

बी.ए. संस्कृत (व्याकरण) - BASV

अवधि: 3 वर्ष
कुल सीट: 50
शैक्षणिक प्रवेश अर्हता: 60% अंकों के साथ इन्टरमीडिएट
सत्र शिक्षण शुल्क: 10,000/-

शास्त्री / ऑनर्स बी.ए. दर्शन - BD

अवधि: 3 वर्ष
कुल सीट: 50
शैक्षणिक प्रवेश अर्हता: 60% अंकों के साथ इन्टरमीडिएट
सत्र शिक्षण शुल्क: 10,000/-

Graduate Courses

B.A. (with Yoga Science) - BAYS

Duration: 3 Years
Seats: 50
Eligibility: Intermediate with 60% Marks
Semester Fee: 10,000/-
Course Details of B.A. (with Yoga Science) :

1. Yoga Science (Compulsory)
2. Psychology
3. Cultural Tourism
4. Sanskrit
5. History

The Student will have to choose two subject from the these subjects.

6. English (English is Compulsory for every students and they have to pass the subject.)

B.A. in Sanskrit (Vedic KaalLaukikSahitya) - BASS

Duration: 3 Years
Seats: 50
Eligibility: Intermediate with 60% Marks
Semester Fee: 10,000/-

B.Sc in Yoga Science -BSYS

Duration: 3 Years
Seats: 50
Eligibility: Intermediate in Science stream with 60% Marks
Semester Fee: 12,500/-

B.A. in Sanskrit (Vyakarana) - BASV

Duration: 3 Years
Seats: 50
Eligibility: Intermediate with 60% Marks
Semester Fee: 10,000/-

Shastri/ B.A. (Honours) Philosophy - BD

Duration: 3 Years
Seats: 50
Eligibility: Intermediate with 60% Marks
Semester Fee: 10,000/-

शास्त्री - SHT
अवधि: 3 वर्ष
कुल सीट: 50
शैक्षणिक प्रवेश अर्हता: 60% अंकों के साथ इन्टरमीडिएट (सम्बद्ध विषय में)
सत्र शिक्षण शुल्क: 10,000/-

शास्त्री / बी.ए. व्याकरण - BV
अवधि: 3 वर्ष
कुल सीट: 50
शैक्षणिक प्रवेश अर्हता: 60% अंकों के साथ इन्टरमीडिएट (सम्बद्ध विषय में)
सत्र शिक्षण शुल्क: 10,000/-

बी.पी.ई.एस. - BPES
अवधि: 3 वर्ष
कुल सीट: 20
शैक्षणिक प्रवेश अर्हता: 60% अंकों के साथ इन्टरमीडिएट
सत्र शिक्षण शुल्क: 12,500/-
क्रीड़ा शुल्क: 5,000/-

डिप्लोमा

डिप्लोमा हिन्दुस्तानी (भारतीय) संगीत
अवधि: 1 वर्ष
कुल सीट: 40
शैक्षणिक प्रवेश अर्हता: 50% अंकों के साथ इन्टरमीडिएट
सत्र शिक्षण शुल्क: 4,000/-
आयु: अधिकतम 35 वर्ष

एक वर्षीय सहायक पाठ्यक्रम

संस्कृत - BC
अवधि: 1 वर्ष
कुल सीट: 50
शैक्षणिक प्रवेश अर्हता: इन्टरमीडिएट
सत्र शिक्षण शुल्क: 10,000/-

Shastri - SHT
Duration: 3 Years
Seats: 50
Eligibility: Intermediate with 60% Marks (with relevant subject)
Semester Fee: 10,000/-

Shastri / B.A. Vyakarana - BV
Duration: 3 Years
Seats: 50
Eligibility: Intermediate with 60% Marks (with relevant subject)
Semester Fee: 10,000/-

Bachelor of Physical Education & Sports - BPES
Duration: 3 Years
Seats: 20
Eligibility: Intermediate with 60% Marks
Semester Fee: 12,500/-
Sports Fee: 5000/-

Diploma

Diploma in Hindustani (Bhartiya) Music
Duration: 1 Years
Seats: 40
Eligibility: Intermediate with 50% Marks
Semester Fee: 4,000/-
Age: Maximum 35 Year

Bridge Course

Sanskrit - BC
Duration: 1 Years
Seats: 50
Eligibility: Intermediate
Semester Fee: 10,000/-

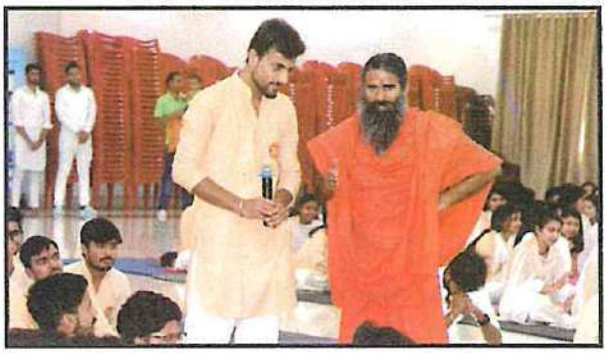

स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम

एम.ए. योग विज्ञान - MAYS
एम.एस-सी. योग विज्ञान - MSYS
अवधि: 2 वर्ष
कुल सीट: 40
शैक्षणिक प्रवेश अर्हता: 50% अंकों के साथ स्नातक
सत्र शिक्षण शुल्क: 12,500/-

एम.ए. संस्कृत (साहित्य) - MASS
एम.ए. संस्कृत (व्याकरण) - MASV
अवधि: 2 वर्ष
कुल सीट: 40
शैक्षणिक प्रवेश अर्हता: 50% अंकों के साथ स्नातक (सम्बन्धित विषय में)
सत्र शिक्षण शुल्क: 12,500/-

एम.ए. मनोविज्ञान-नैदानिक मनोविज्ञान में विशेषज्ञता के साथ - MAP
अवधि: 2 वर्ष
कुल सीट: 40
शैक्षणिक प्रवेश अर्हता: 50% अंकों के साथ स्नातक
सत्र शिक्षण शुल्क: 12,500/-

एम.ए. संस्कृत (दर्शन) - MASPH
अवधि: 2 वर्ष
कुल सीट: 40
शैक्षणिक प्रवेश अर्हता: 50% अंकों के साथ स्नातक (सम्बन्धित विषय में)
सत्र शिक्षण शुल्क: 12,500/-

एम.ए. दर्शनशास्त्र - MAPH
अवधि: 2 वर्ष
कुल सीट: 40
शैक्षणिक प्रवेश अर्हता: 50% अंकों के साथ स्नातक
सत्र शिक्षण शुल्क: 12,500/-

आचार्य - ACH
अवधि: 2 वर्ष
कुल सीट: 40
शैक्षणिक प्रवेश अर्हता: 50% अंकों के साथ स्नातक (सम्बन्धित विषय में)
सत्र शिक्षण शुल्क: 12,500/-

Post Graduate Courses

M.A. Yoga Science - MAYS
M.Sc Yoga Science - MSYS
Duration: 2 Years
Seats: 40
Eligibility: Graduate with 50% Marks
Semester Fee: 12,500/-

M.A. Sanskrit (Literature) - MASS
M.A. Sanskrit (Vyakarana) - MASV
Duration: 2 Years
Seats: 40
Eligibility: Graduate 50% marks (with relevant subject)
Semester Fee: 12,500/-

M.A. Psychology with specialization in Clinical Psychology - MAP
Duration: 2 Years
Seats: 40
Eligibility: Graduate with 50% Marks
Semester Fee: 12,500/-

M.A. in Sanskrit (Philosophy) - MASPH
Duration: 2 Years
Seats: 40
Eligibility: Graduate 50% marks (with relevant subject)
Semester Fee: 12,500/-

M.A. Philosophy - MAPH
Duration: 2 Years
Seats: 40
Eligibility: Graduate with 50% Marks
Semester Fee: 12,500/-

Acharya Darshan / VyakaranShastra - ACH
Duration: 2 Years
Seats: 40
Eligibility: Graduate 50% marks (with relevant subject)
Semester Fee: 12,500/-

एम.ए. / यात्रा एवं पर्यटन प्रबन्धन - MTTM
अवधि: 2 वर्ष
कुल सीट: 40
शैक्षणिक प्रवेश अर्हता: 50% अंकों के साथ स्नातक
सत्र शिक्षण शुल्क: 12,500/-

एम. ए. अंग्रेजी - MAENG
अवधि: 2 वर्ष
कुल सीट: 40
शैक्षणिक प्रवेश अर्हता: 50% अंकों के साथ स्नातक (सम्बन्धित विषय में)
सत्र शिक्षण शुल्क: 12,500/-

स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम

स्नातकोत्तर डिप्लोमा योग विज्ञान - PGDYS
अवधि: 1 वर्ष
कुल सीट: 40
शैक्षणिक प्रवेश अर्हता: 50% अंकों के साथ स्नातक
सत्र शिक्षण शुल्क: 15,000/-

स्नातकोत्तर डिप्लोमा योग स्वास्थ्य एवं सांस्कृतिक पर्यटन - PGDYHCT
अवधि: 1 वर्ष
कुल सीट: 40
शैक्षणिक प्रवेश अर्हता: 50% अंकों के साथ स्नातक
सत्र शिक्षण शुल्क: 15,000/-

स्नातकोत्तर डिप्लोमा पंचकर्म - PGDPK
अवधि: 1 वर्ष
कुल सीट: 40
शैक्षणिक प्रवेश अर्हता: B.A.M.S. 60% अंकों के साथ
सत्र शिक्षण शुल्क: 25,000/-

स्नातकोत्तर डिप्लोमा वैदिक-दर्शन - PGVD
अवधि: 1 वर्ष
कुल सीट: 40
शैक्षणिक प्रवेश अर्हता: 50% अंकों के साथ स्नातक
सत्र शिक्षण शुल्क: 10,000/-

M.A. Travel & Tourism Management - MTTM
Duration: 2 Years
Seats: 40
Eligibility: Graduate with 50% Marks
Semester Fee: 12,500/-

M.A. in English - MAENG
Duration: 2 Years
Seats: 40
Eligibility: Graduate 50% marks (with relevant subject)
Semester Fee: 12,500/-

Post Graduate Diploma Courses

P.G. Diploma Yoga Science - PGDYS
Duration: 1 Years
Seats: 40
Eligibility: Graduate with 50% Marks
Semester Fee: 15,000/-

P.G. Diploma Yoga Health and Cultural Tourism - PGDYHCT
Duration: 1 Years
Seats: 40
Eligibility: Graduate with 50% Marks
Semester Fee: 15,000/-

P.G. Diploma Panchkarma - PGDPK
Duration: 1 Years
Seats: 40
Eligibility: BAMS with 60% Marks
Semester Fee: 25,000/-

P.G. Diploma Vedic Darshan - PGVD
Duration: 1 Years
Seats: 40
Eligibility: Graduation with 50% Marks
Semester Fee: 10,000/-

पी-एच.डी.

योग विज्ञान - PHDY
संस्कृत - PHDS
दर्शनशास्त्र
मनोविज्ञान
अवधि: 3-5 वर्ष

शैक्षणिक प्रवेश अर्हता: किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से सम्बद्ध विषय से स्नातकोत्तर में कम से कम 55% अंकों के साथ उत्तीर्ण (अनुसूचित जाति/ अनुसूचित जनजाति/पिछड़ा वर्ग हेतु 5% प्रवेश छूट मान्य होगी)

सत्र शिक्षण शुल्क: रजिस्ट्रेशन शुल्क 5,000/-
पाठ्यक्रम शुल्क 50,000/-
शोध-प्रबन्ध 20,000/-
मासिक शुल्क 1,000/-
(प्रत्येक तीन माह के प्रगति-पत्र के साथ)

Doctor of Philosophy (Ph.D.)

Yoga Science-PHDY
Sanskrit-PHDS
Philosophy
Psychology
Duration: 3-5 Years

Eligibility: Post Graduate in Yoga Science or other allied subjects with at-least 55% marks from any recognized university with a relaxation of 5% marks to SC/ST/OBC candidates.

Semester Fee: Registration Fee Rs. 5,000/-
Course Work Fee Rs. 50,000/-
Thesis submission Fee Rs. 20,000/-
Monthly Fee Rs. 1,000/-
(To be submitted tri-monthly with progress report)

नोट:

1. किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से न्यूनतम 50 प्रतिशत अंकों के साथ 10+2+3 उत्तीर्ण अभ्यर्थी स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम के लिए अर्ह होंगे (अधिकतम आयु 30 वर्ष)
2. किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से न्यूनतम 50 प्रतिशत अंकों के साथ 10+2+3 उत्तीर्ण अभ्यर्थी स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम के लिए अर्ह होंगे (अधिकतम आयु 35 वर्ष)
3. किसी मान्यताप्राप्त शिक्षा परिषद से न्यूनतम 60 प्रतिशत अंकों के साथ 10+2 उत्तीर्ण अभ्यर्थी स्नातक पाठ्यक्रम / स्नातक सहायक पाठ्यक्रम के लिए अर्ह होंगे (अधिकतम आयु 25 वर्ष)
4. किसी मान्यताप्राप्त शिक्षा परिषद से विज्ञान विषय के साथ न्यूनतम 60 प्रतिशत अंकों के साथ 10+2 उत्तीर्ण अभ्यर्थी बी.एस-सी योग विज्ञान पाठ्यक्रम के लिए अर्ह होंगे (अधिकतम आयु 25 वर्ष)
5. किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से न्यूनतम 60 प्रतिशत अंकों के साथ आयुर्वेदाचार्य B.A.M.S. उत्तीर्ण अभ्यर्थी पंचकर्म में स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम के लिए अर्ह होंगे (अधिकतम आयु 35 वर्ष)
6. आयु सीमा के निर्धारण हेतु मान्य अंतिम तिथि 31 जुलाई 2019 होगी।
7. सभी पाठ्यक्रमों में आरक्षित एवं दिव्यांग वर्ग के छात्रों के लिए प्रवेश अर्हता में 5 प्रतिशत अंकों कि छूट प्रदान की जायेगी।

NOTE:

1. Any Graduate (10+2+3) passed with minimum 50% marks is eligible for Post Graduate Courses. (Maximum age is 30 Years.)
2. Any Graduate (10+2+3) passed with minimum 50% marks is eligible for Post Graduate Diploma Courses. (Maximum age is 35 Years.)
3. Intermediate students (10+2) passed with minimum 60% marks from any recognized board are eligible for Under Graduate Courses /Bridge Courses. (Maximum age is 25 Years.)
4. Intermediate students (10+2) passed from science stream with minimum 60% marks from any recognized board are eligible for B.Sc. Yoga Science. (Maximum age is 25 Years.)
5. Any B.A.M.S. Graduate, passed with minimum 60% marks from a recognized University is eligible for Post Graduate Diploma in Panchkarma Course. (Maximum age is 35 Years.)
6. The reference date for age calculation will be 31 July 2019.
7. There will be relaxation of 5% for reserved and differently abled candidates for all courses.

अन्य शुल्क विवरण

विभिन्न पाठ्यक्रमों के लिए चयनित अभ्यर्थी निम्नलिखित शुल्कों का भूगतान करेंगें।

1. **आवासीय शुल्क** – 1,500/- रुपये प्रति माह
2. **भोजन शुल्क** – 2,500/- रुपये प्रति माह
3. **परीक्षा शुल्क** – 1,000/- रुपये प्रति सत्र
4. **क्रीड़ा शुल्क** – 1,000/- रुपये वार्षिक
5. **निर्धारित गणवेश** – 4,000/- रुपये प्रवेश के समय एकमुश्त (दो जोड़ी कुर्ता-पायजामा/सलवार-कुर्ता रुपये 1,600/- + ट्रैक-सूट = रुपये 1,200/- + ब्लेज़र = रुपये 1200/-
6. **षट्कर्म सामग्री** – 500/- रुपये प्रवेश के समय एकमुश्त
7. **सुरक्षा धनराशि** – 5,000/- रुपये एकमुश्त

Other Fees Detail

Candidates selected for various Programmes will pay the following Fees:

Hostel Fee	-	Rs. 1,500/- per month
Canteen Fee	-	Rs. 2,500/- per month
Examination fee	-	Rs. 1,000/- per semester
Sports Fee	-	Rs. 1,000/- annually
Uniform Fee	-	Rs. 4,000/- one time (2 Pc. Kurta-Payjama/Salwar-Kurta) = Rs. 1,600/- (Track-suit) = Rs. 1,200/- (Blazer) = Rs. 1,200/-
Shatkarma Kit	-	Rs. 500/- one time
Caution Money	-	Rs. 5,000/- one time

Note :

1. **At the time of admission:** Canteen & Hostel Fee for 6 months +Tuition Fee for 1st Semester + Examination Fee + Sports Fee + Uniform Fee+ Shatkarma Kit Fee + Caution Money.
2. **First/Second Week of January :** Canteen & Hostel Fee for next 6 months + Tuition Fee+ Examination Fee for 2nd Semester.

नोट :

1. **प्रवेश के समय** – छात्रावास शुल्क + भोजन शुल्क अग्रिम 6 माह हेतु + प्रथम-सत्र का शिक्षण शुल्क + परीक्षा शुल्क + क्रीड़ा शुल्क + निर्धारित गणवेश शुल्क + षट्कर्म सामग्री शुल्क + एकमुश्त सुरक्षा धनराशि।
2. **जनवरी माह का प्रथम/द्वितीय सप्ताह** – छात्रावास शुल्क + भोजन शुल्क अग्रिम 6 माह हेतु + द्वितीय सत्र का शिक्षण शुल्क + परीक्षा शुल्क।

पाठ्यक्रम विवरण

सत्र	शीर्षक
डॉक्टर ऑफ फिलॉसोफी पाठ्यक्रम कार्य (कोर्स वर्क)-6 माह	
PHD	प्रथम प्रश्न पत्र-अनुसन्धान विधियाँ एवं सांख्यिकी
	द्वितीय प्रश्न पत्र-कम्प्यूटर अनुप्रयोग
स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम	
एम.ए./एम.एस-सी. (योग विज्ञान), 2 वर्ष	
प्रथम	योग के मूल सिद्धान्त
	हठयोग
	श्रीमद्भगवद्गीता एवं सांख्यकारिका
	मानव शरीर विज्ञान-I
	क्रियात्मक-योग
	क्रियात्मक-मानव शरीर विज्ञान-I
द्वितीय	पतंजलि योग दर्शन
	भारतीय दर्शन एवं संस्कृति
	योग मनोविज्ञान
	मानव शरीर विज्ञान-II
	क्रियात्मक-योग-II
	क्रियात्मक-मानव शरीर विज्ञान-II
तृतीय	योग शिक्षण की पद्धति व शिक्षण महत्त्व
	आयुर्वेद परिचय/जैव यान्त्रिकी व पेशीगतिविज्ञान (किनिसीऑलजी)
	अनुसन्धान व सांख्यिकीय विधियाँ
	प्राकृतिक चिकित्सा/रोग विशिष्ट विकृति विज्ञान
	क्रियात्मक-योग-III
	प्राकृतिक चिकित्सा/जैव यान्त्रिकी व पेशीगति विज्ञान (क्रियात्मक)
	क्रियात्मक-मानव रोग विशिष्ट विकृतिविज्ञान
चतुर्थ	आरोग्यशास्त्र भोजन व पोषण
	यौगिक चिकित्सा
	पूरक व वैकल्पिक चिकित्सा
	लघु शोध-पत्र/कार्यक्षेत्र प्रशिक्षण
	क्रियात्मक-योग-IV
	क्रियात्मक-पूरक व वैकल्पिक चिकित्सा
एम.ए. मनोविज्ञान नैदानिक मनोविज्ञान की विषेशज्ञता के साथ, 2 वर्ष	
प्रथम	योग मनोविज्ञान
	सांख्यिकीय तकनीक एवं प्रयोगात्मक अभिकल्प
	सामाजिक मनोविज्ञान
	व्यवहार के जैविक आधार
	प्रयोग/परीक्षण
द्वितीय	शोध विधियाँ
	सकारात्मक मनोविज्ञान
	संज्ञानात्मक मनोविज्ञान
	व्यक्तित्व के सिद्धान्त
	प्रयोग/परीक्षण
तृतीय	स्वास्थ्य मनोविज्ञान
	मनोविकृति विज्ञान
	नैदानिक मनोविज्ञान
	मनोमिति
	प्रयोग/परीक्षण
चतुर्थ	मनोवैज्ञानिक परीक्षण
	निर्देशन एवं परामर्श
	चिकित्सकीय तकनीक
	लघुशोध प्रबंध/परियोजना कार्य
	मानसिक स्वास्थ्य संस्थान में सर्वेक्षण/
	शैक्षिक भ्रमण की परियोजना/ विद्यार्थियों द्वारा तैयार की गयी
	नैदानिक परिस्थिति में शैक्षिक भ्रमण रिपोर्ट

Course Detail

Semester	Paper Name
Ph.D. (Yoga) Course Work (6 months)	
PHD	Paper-1 (Research Methodology)
	Paper-2 (Computer Application & Statistics)
Post Graduate Courses	
M.A./M.Sc (Yoga Science), 2 Years	
1st	Foundation of Yoga
	Hatha Yoga
	ShrimadbhagvadGeeta&Samkhyakarika
	Human Biology-I
	Yoga Practicum-I
	Human Biology Practicum-I
2nd	Patanjali Yoga Darshan
	Indian Philosophy & Culture
	Yoga Psychology
	Human Biology-II
	Yoga Practicum-II
	Human Biology Practicum-II
3rd	Methods of Teaching Yoga and Value Education
	Introduction to Ayurveda/Biomechanics and Kinesiology
	Research & Statistical Methods
	Naturopathy/Disease Specific Pathology
	Yoga Practicum-III
	Naturopathy/Biomechanics & Kinesiology (Practical)
	Disease Specific Pathology Practical
4th	Hygiene, Diet & Nutrition
	Yoga Therapy
	Complementary & Alternative Therapy (CAT)
	Dissertation/Field Training
	Yoga Practicum-IV
	Complementary & Alternative Therapy Practicum
M.A. Psychology with Specialization in Clinical Psychology, 2 Years	
1st	Yoga Psychology
	Statistical techniques and experimental designs
	Social Psychology
	Biological foundation of behavior
	Practicum
2nd	Research Methods
	Positive Psychology
	Cognitive Psychology
	Personality Psychology
	Practicum
3rd	Health Psychology
	Psychopathology
	Clinical Psychology
	Psychometry
	Practicum
4th	Psychological Testing
	Guidance and Counselling
	Therapeutic techniques
	Dissertation /Project work
	A report of the academic tour/
	Survey in Mental Health Institution/
	In clinical situation prepared by the students

पाठ्यक्रम विवरण

सत्र	शीर्षक
एम.ए. (दर्शन), 2 वर्ष	
प्रथम	वैदिक साहित्य, सांख्ययोग -।
	न्याय वैशेषिक-।
	वेदान्त मीमांसा-।
	वैदिकेतर दर्शन-।
द्वितीय	सांख्य योग-2
	न्याय वैशेषिक-2
	वेदान्त मीमांसा-2
	पाश्चात्त्य दर्शन
तृतीय	सांख्य योग-3
	न्याय वैशेषिक-3
	वेदान्त मीमांसा-3
	सर्वदर्शन संग्रह-।
चतुर्थ	सांख्य योग-4
	न्याय वैशेषिक-4
	वेदान्त मीमांसा-4
	सर्वदर्शन संग्रह-।।
	निबंध/परियोजना कार्य
एम.ए. (यात्रा एवं पर्यटन प्रबन्धन) 2 वर्ष	
प्रथम	पर्यटन अवधारणा एवं सिद्धान्त
	उत्तराखण्ड पर्यटन
	योग स्वास्थ्य एवं पर्यटन
	साहसिक पर्यटन
	मौखिक परीक्षा
द्वितीय	ट्रेवल एजेन्सी एवं टूर ऑपरेशन
	भारत में पर्यटन संसाधन
	परिवहन प्रबन्धन
	पर्यटन में संगणक सम्प्रयोग
	टूर रिपोर्ट मौखिक परीक्षा
तृतीय	संस्कृति, विरासत एवं पर्यटन
	हवाई जहाज टिकटिंग
	होटल एवं रिसोर्ट प्रबन्धन
	शोध प्रविधि
	परियोजना विवरण/रिपोर्ट
चतुर्थ	विश्व के गन्तव्य स्थल
	टूर पैकेजिंग प्रबन्धन
	पर्यटन विपणन
	पर्यटन नीति एवं योजना
	संस्थागत प्रशिक्षण
परास्नातक संस्कृत, 2 वर्ष	
प्रथम	वैदिक संहिताएं
	व्याकरण एवं भाषा विज्ञान
	भारतीय दर्शन
	काव्य और नाटक
	संस्कृत वाङ्मय का इतिहास
द्वितीय	वेदांग और उपनिषद
	व्याकरण
	भारतीय दर्शन
	काव्य एवं काव्य शास्त्र
	धर्मशास्त्र एवं अर्थशास्त्र
तृतीय	काव्यशास्त्र एवं उसका इतिहास
	नाट्यसाहित्य

Course Detail

Semester	Paper Name
M.A. (Philosophy), 2 Years	
1st	Vedic Sahitya and Sankhya Yoga-I
	NyayaVaisheshik-I
	VedantMimansa-I
	VedicetarDarshan-I
2nd	Sankhya Yoga-II
	NyayaVaisheshik-II
	VedantMimansa-II
	PashchatyaDarshan
3rd	Sankhya Yoga-III
	NyayaVaisheshik-III
	VedantMimansa-III
	SarvdarshanSangrha-I
4th	Sankhya Yoga-IV
	NyayaVaisheshik-IV
	VedantMimansa-IV
	SarvdarshanSangrha-II
	Nibandh / PariyojnaKarya
M.A. (Travel & Tourism Management)-MTTM, 2 Years	
1st	Tourism Concepts & Principles
	Tourism of Uttarakhand
	Yoga Health & Tourism
	Adventure Tourism
	Tourism Practicum
2nd	Travel Agency & Tour Operation
	Tourism Resource in India
	Transport Management
	Computer Application in Tourism
	Tourism Practicum (Tour Report)
3rd	Culture Heritage & Tourism
	Airlines Ticketing
	Hotel & Resort Management
	Research Methodology
	Tourism Practicum
4th	Major Destinations of World
	Tour Packing Management
	Tourism Marketing
	Tourism Policy & Planning
	On-the Job Training
M.A. in Sanskrit (Literature), 2 Year	
1st	Vedic Sanhitayein
	Vyakaran and BhashaVigyan
	BhartiyaDarshan
	Kavya and Natak
	SnskritVangmayakaItihas
2nd	Vedang and Upnished
	Vyakaran
	BhartiyaDarshan
	Kavya and Kavyashastra
	Dharmshastra and Arthshastra
3rd	Kavyashastra and UskaItihas
	Natyasahitya

पाठ्यक्रम विवरण

सत्र	शीर्षक
	गद्य एवं पद्य काव्य
	काव्यशास्त्र
	महाकाव्य एवं खण्डकाव्य
चतुर्थ	नाट्यशास्त्र
	काव्यशास्त्र
	चम्पू व नाटक
	आधुनिक काव्य एवं साहित्य
	प्रतिष्ठित कवि अध्ययन

परास्नातक अंग्रेजी, 2 वर्ष

प्रथम	अंग्रेजी में साहित्य (1550–1660) खण्ड I
	अंग्रेजी में साहित्य (1660–1798) खण्ड I
	अंग्रेजी में साहित्य (1798–1914) खण्ड I
	अंग्रेजी में साहित्य (1914–2000) खण्ड I
द्वितीय	अंग्रेजी में साहित्य (1550–1660) खण्ड II
	अंग्रेजी में साहित्य (1660–1798) खण्ड II
	अंग्रेजी में साहित्य (1798–1914) खण्ड II
	अंग्रेजी में साहित्य (1914–2000) खण्ड II
तृतीय	साहित्यिक आलोचना एवं सिद्धांत खण्ड I
	अमेरिकी साहित्य खण्ड I
	अंग्रेजी में भारतीय लेखन खण्ड I
	महिला लेखन खण्ड I
चतुर्थ	साहित्यिक आलोचना सिद्धांत खण्ड II
	अमेरिकी साहित्य खण्ड II
	अंग्रेजी में भारतीय लेखन खण्ड II
	महिला लेखन खण्ड II/लघुशोध(100 अंक)

स्नातकोत्तर डिप्लोमा (योग विज्ञान), 1 वर्ष

प्रथम	योग के मूल सिद्धान्त
	हठयोग
	श्रीमद्भगवद्गीता तथा सांख्यकारिका
	शरीर क्रियाविज्ञान
	क्रियात्मक–योग
	क्रियात्मक–शरीरविज्ञान
द्वितीय	पातंजल योगदर्शन
	यौगिक चिकित्सा
	आरोग्यशास्त्र, भोजन तथा पोषण
	पूरक व वैकल्पिक चिकित्सा
	क्रियात्मक–योग
	क्रियात्मक–पूरक व वैकल्पिक चिकित्सा

स्नातकोत्तर डिप्लोमा (योग स्वास्थ्य एवं सांस्कृतिक पर्यटन), 1 वर्ष

प्रथम	योग के मूल सिद्धान्त
	हठयोग
	पर्यटन सिद्धान्त और व्यवहार
	आतिथ्य प्रबन्धन
	क्रियात्मक–योग
	क्रियात्मक–पर्यटन
द्वितीय	पातंजल योगदर्शन
	यौगिक चिकित्सा
	सांस्कृतिक पर्यटन स्रोत
	यात्रा विवरण योजना, विपणन टूर पैकेज और लागत
	क्रियात्मक–योग
	शैक्षणिक भ्रमण

Course Detail

Semester	Paper Name
	Gady and PadyKavya
	Kavyashastra
	Mahakavya and Khandkavya
4th	Natyashastra
	Kavyashastra
	Champu and Natak
	AdhunikKavya and VishwaSahitya
	PratishthitKaviAdhyan
M.A. in English, 2 Year	
1st	Literature in English (1550-1660) Part I
	Literature in English (1660-1798) Part I
	Literature in English (1798-1914) Part I
	Literature in English (1914-2000) Part I
2nd	Literature in English (1550-1660) Part II
	Literature in English (1660-1798) Part II
	Literature in English (1798-1914) Part II
	Literature in English (1914-2000) Part II
3rd	Literacy Criticism & Theory Part I
	American Literature Part I
	Indian Writing in English Part I
	Women Writing Part I
4th	Literary Theory and Criticism Part II
	American Literature Part II
	Indian Writing in English Part II
	Women Writing Part II/Dissertation(100 marks)
Post Graduate Diploma (Yoga Science), 1 Year	
1st	Foundation of Yoga
	Hatha Yoga
	Shrimadbhagvad Gita &Samkhyakarika
	Human Biology
	Yoga Practicum
	Human Biology Practicum
2nd	Patanjal Yoga Darshan
	Yoga Therapy
	Hygiene, Diet & Nutrition
	Complementary & Alternative Therapy (CAT
	Yoga Practicum
	Complementary & Alternative Therapy Practicum
Post Graduate Diploma (Yoga Health and Cultural Tourism), 1 Year	
1st	Foundation of Yoga
	Hatha Yoga
	Tourism Theory and Practice
	Hospitality Management
	Practical - Yoga
	Project Report
2nd	Patanjal Yoga Darshan
	Yoga Therapy
	Cultural Tourism Resources
	Itinerary Planning, Marketing, Tour Packaging and Costing
	Practical - Yoga
	Educational Tour

पाठ्यक्रम विवरण

सत्र	शीर्षक
डिप्लोमा हिन्दुस्तानी (भारतीय) संगीत, 1 वर्ष	
प्रथम	उत्तम स्तर का शास्त्र ज्ञान संगीत गायन में-।
	क्रियात्मक-उत्तम स्तर का संगीत गायन-।।
	उत्तम स्तर का शास्त्र ज्ञान संगीत वादन में-।
	क्रियात्मक-उत्तम स्तर का संगीत गायन-।
	क्रियात्मक-उत्तम स्तर का संगीत वादन-।
द्वितीय	उत्तम स्तर का शास्त्र ज्ञान संगीत गायन में-।।।
	क्रियात्मक-उत्तम स्तर का संगीत गायन-।।
	उत्तम स्तर का शास्त्र ज्ञान संगीत वादन में-।।।
	क्रियात्मक-उत्तम स्तर का संगीत गायन-।।
	क्रियात्मक-उत्तम स्तर का संगीत वादन-।।
स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पंचकर्म), 1 वर्ष	
प्रथम	आयुर्वेदसिद्धान्त, शरीर रचना एवं क्रिया का नैदानिक महत्त्व
	रोगनिदान एवं पंचकर्म चिकित्सा सिद्धान्त
	स्नेहन एवं स्वेदनकर्म
	वमन एवं विरेचनकर्म
	पंचकर्म प्रयोगात्मक
द्वितीय	वस्तिकर्म
	नस्य कर्म
	रक्तमोक्षण/अग्रिकर्म
	योग एवं निसर्गोपचार
	पंचकर्म प्रयोगात्मक
बी.ए. (योग विज्ञान के साथ), 3 वर्ष	
प्रथम	योग परिचय
	हठयोग परिचय (हठयोग प्रदीपिका एवं घेरण्ड संहिता)
	मौलिक मनोवैज्ञानिक प्रक्रिया-।
	सामाजिक मनोविज्ञान-।
	पर्यटन अवधारणा एवं सिद्धान्त
	सांस्कृतिक पर्यटन संसाधन
	क्रियात्मक-योग
	क्रियात्मक-मनोविज्ञान
	संस्कृत-व्याकरण
	संस्कृत-साहित्य
द्वितीय	भारतीय दर्शन एवं संस्कृति
	श्रीमद्भगवद्गीता
	मौलिक मनोवैज्ञानिक प्रक्रिया-।।
	सामाजिक मनोविज्ञान-।।
	यात्रा परिवहन एवं पर्यटन
	भौगोलिक पर्यटन
	क्रियात्मक-योग
	क्रियात्मक-मनोविज्ञान
	संस्कृत-व्याकरण
	संस्कृत-साहित्य
तृतीय	आयुर्वेद परिचय
	मानव शरीरविज्ञान-।
	मनोविज्ञान कीप्रणाली व पद्धति-।
	मनोवैज्ञानिक सांख्यिकी

Course Detail

Semester	Paper Name
Diploma in Hindustani (Bhartiya) Music, 1 Year	
1st	Theory of Vocal - I
	Theory of Vocal - II
	Theory of Instrumental - I
	Practicum (Vocal) - I
	Practical (Instrumental) - I
2nd	Theory of Vocal - III
	Theory of Vocal - II
	Theory of Instrumental - III
	Practicum (Vocal) - II
	Practical (Instrumental) - II
Post Graduate Diploma (Panchkarma), 1 Year	
1st	AyurvediyaSiddhant, SharirRachna
	EvamKriyaKaNaidanikMahattva
	RogaNidanEvamPanchakarmaChikitsaSiddhant
	SnehanSwedan Karma
	VamanVirechan Karma
	Practical Panchkarma
2nd	Vasti Karma
	Nasya Karma
	RaktMokshan / Agni Karma
	Yoga and Naturopathy
	Practical Panchkarma
B.A. (with Yoga Science), 3 Years	
1st	Introduction to Yoga
	Introduction to Hath Yoga
	(Hatha Yoga Pradipika and GherandaSamhita)
	Basic Psychological Process-I
	Social Psychology-I
	Tourism Concepts and Principles
	Culture Tourism Resources
	Yoga Practicum
	Psychology Practicum
	Sanskrit – Vyakarana
	Sanskrit – Literature
2nd	Indian Philosophy & Culture
	Srimadbhagvadgita
	Basic Psychological Process-II
	Social Psychology-II
	Transport in Travel and Tourism
	Geography for Tourism
	Yoga Practicum
	Psychology Practicum
	Sanskrit – Vyakarana
	Sanskrit – Literature
3rd	Introduction to Ayurveda
	Human Biology-I
	System and Schools of Psychology-I
	Psychological Statistics

पाठ्यक्रम विवरण

सत्र	शीर्षक
	पर्यटन नीति एवं योजना
	ट्रेवल एजेन्सी एवं टूर संचालन व्यवसाय
	क्रियात्मक-योग
	क्रियात्मक-मनोविज्ञान
	संस्कृत व्याकरण
	संस्कृत साहित्य
चतुर्थ	मानव शरीरविज्ञान-।।
	स्वस्थवृत्त, आहार एवं पोषण
	मनोविज्ञान कीप्रणाली व पद्धति-।।
	सामाजिक अनुसन्धान
	भारत में देशाटन हेतु गन्तव्य
	आतिथ्य प्रबन्धन
	क्रियात्मक-योग
	क्रियात्मक-मनोविज्ञान
	संस्कृत व्याकरण
	संस्कृत साहित्य
पंचम	योगसूत्र
	उपनिषद् परिचय
	नैदानिक मनोविज्ञान-।
	व्यक्तित्व मनोविज्ञान
	विश्व में देशाटन हेतु गन्तव्य
	भ्रमण-औपचारिकताएँ एवं सरलीकरण
	क्रियात्मक-योग
	क्रियात्मक-मनोविज्ञान
	संस्कृत-व्याकरण
	संस्कृत-साहित्य
षष्ठ	योग चिकित्सा
	प्राकृतिक चिकित्सा के सिद्धान्त
	नैदानिक मनोविज्ञान-।।
	परामर्श के सिद्धान्त व उपयोगिता
	व्यावसायिक संचार
	शैक्षणिक भ्रमण
	क्रियात्मक-योग
	क्रियात्मक-मनोविज्ञान
	संस्कृत-व्याकरण
	संस्कृत-साहित्य
	पर्यावरण विज्ञान

बी.एस-सी. (योग विज्ञान), 3 वर्ष

प्रथम	योग परिचय या योग का मूल सिद्धान्त
	हठयोग का परिचय तथा इसके मूलग्रन्थ
	शरीर रचना व क्रिया विज्ञान -।
	कम्प्यूनिकेटिव इंग्लिश
	जी ई -।
	क्रियात्मक-योग- ।
	क्रियात्मक-योग- ।।
	क्रियात्मक-परीक्षण (शरीर रचना व क्रिया विज्ञान)-।

Course Detail

Semester	Paper Name
	Tourism Policy and Planning
	Travel Agency and Tour Operations Business
	Yoga Practicum
	Psychology Practicum
	Sanskrit – Vyakarana
	Sanskrit – Literature
4th	Human Biology-II
	Hygiene, Diet And Nutrition
	System and Schools of Psychology-II
	Social Research
	Destination Interpretation India
	Hospitality Management
	Yoga Practicum
	Psychology Practicum
	Sanskrit – Vyakarana
	Sanskrit – Literature
5th	Yoga Sutras
	Introduction of Upanishads
	Clinical Psychology-I
	Psychology of Personality
	Destination Interpretation- World
	Travel Formalities and Facilitation
	Yoga Practicum
	Psychology Practicum
	Sanskrit – Vyakarana
	Sanskrit – Literature
6th	Yoga Therapy
	Principles of Naturopathy
	Clinical Psychology-II
	Principles and Applications of Counseling
	Business Communication
	Educational Tour
	Yoga Practicum
	Psychology Practicum
	Sanskrit – Vyakarana
	Sanskrit – Literature
	Environmental Studies

B.Sc. (Yoga Science), 3 Years

1st	Foundation of Yoga
	Introduction to Hath Yoga and It's Texts
	Human Biology-1
	Communicative English
	GE-I
	Yoga Practicum-I
	Yoga Practicum-II
	Human Biology Practicum-I

पाठ्यक्रम विवरण

सत्र	शीर्षक
द्वितीय	उपनिषद् का मूलतत्त्व
	पातंजल योग दर्शन
	शरीर रचना व क्रिया विज्ञान -II
	पर्यावरण विज्ञान
	जी ई-2
	क्रियात्मक-योग- III
	कम्प्यूटरप्रयोगशाला
	क्रियात्मक-शरीर रचना व क्रियाविज्ञान- II
तृतीय	व्यक्तित्व उत्कर्ष के लिए भगवद्गीता का मूलतत्त्व
	योग एवं समग्र स्वास्थ्य
	योग शिक्षण पद्धति
	संस्कृत सम्भाषण
	जी ई -3
	क्रियात्मक-योग-IV
	क्रियात्मक-शिक्षण अभ्यास
	क्षेत्रीय कार्य (फील्ड वर्क)
चतुर्थ	योग के चार प्रवाह
	योग चिकित्सा का मूल आधार
	जैव रसायन के मूल सिद्धान्त
	संस्कृत
	जी ई-IV
	क्रियात्मक-योग-V
	क्रियात्मक-योग-VI
	जैव रसायनप्रयोगशाला
पंचम	भारतीय संस्कृति के मूलतत्त्व
	योग एवं मानव उत्कर्ष
	जीवन-शैली से सम्बन्धित विकृतियों का यौगिक प्रबन्धन
	डी ए ई-I
	डी ए ई-II
	क्रियात्मक-व्यष्टि अध्ययन- IV
	क्रियात्मक-शिक्षण अभ्यास
	अध्ययन हेतु भ्रमण
षष्ठ	योग तथा मानवीय मूल्यांकन
	व्यावहारिक योग
	सांख्यिकी एवं अनुसन्धान प्रणाली विज्ञान
	डी ए ई-3
	डी ए ई-4
	क्रियात्मक-व्यष्टि अध्ययन रिपोर्ट
	अनुसन्धान परियोजना
	क्रियात्मक सांख्यिकी

बी.ए. ऑनर्स (दर्शन), 3 वर्ष

प्रथम	योगदर्शन
	सांख्यदर्शन-I
	संस्कृत-I
	हिन्दी-I
	कम्युनिकेटिव अंग्रेजी-I
द्वितीय	सांख्यकारिका
	सांख्यदर्शन-II
	संस्कृत-II
	हिन्दी-II
	कम्युनिकेटिव अंग्रेजी-II
तृतीय	न्याय दर्शन-I
	वैशेषिक दर्शन-I

Course Detail

Semester	Paper Name
2nd	Essence of Principal Upanishads
	Patanjala Yoga Darshana
	Human Biology-II
	AECC-2 (Environmental Studies)
	GE-2
	Yoga Practicum-III
	Computer Lab
	Human Biology-II
3rd	Essence of Bhagavad Gita for Personality Development
	Yoga and Holistic Health
	Methods of Teaching Yoga
	AECC-3 (Spoken Sanskrit)
	GE-3
	Yoga Practicum-IV
	Yoga Practicum-V Teaching Practice
	Field Work
4th	Four Stream of Yoga
	Basis of Yoga Therapy
	Fundamentals of Biochemistry
	AEEC-4 (Sanskrit)
	GE-4
	Yoga Practicum-VI
	Yoga Practicum-VII
	Biochemistry Lab
5th	Basis of Indian Culture
	Yoga and Human Consciousness
	Yogic Management of Lifestyle Related Disorders
	DSE-I
	DSE-II
	Yoga Practicum-Case Study
	Psychology Practicum
	Study Tour
6th	Yoga and Human Values
	Applies Yoga
	Research Methodology & Statistics
	DSE-3
	DSE-4
	Yoga Practicum-IX- Case Study
	Report Research Project
	Practical Statistics
B.A. Honours (Philosophy), 3 Years	
1st	Yoga Darshan
	SankhyaDarshan-I
	Sanskrit-I
	Hindi-I
	Communicative English-I
2nd	Sankhyakarika
	SankhyaDarshan-II
	Sanskrit-II
	Hindi-II
	Communicative English-II
3rd	NyayaDarshan-I
	VaisheshikDarshan-I

पाठ्यक्रम विवरण

सत्र	शीर्षक
	संस्कृत-III
	हिन्दी-III
	कम्युनिकेटिव अंग्रेजी-III
चतुर्थ	न्याय दर्शन-II
	वैशेषिक दर्शन-II
	संस्कृत- IV
	हिन्दी-IV
	कम्युनिकेटिव अंग्रेजी- IV
पंचम	वेदान्त दर्शन-I
	मीमांसा दर्शन-I
	संस्कृत-V
	हिन्दी-V
	कम्युनिकेटिव अंग्रेजी-V
षष्ठ	वेदान्त दर्शन-II
	निघण्टु
	संस्कृत-VI
	हिन्दी-VI
	कम्युनिकेटिव अंग्रेजी-VI

शास्त्री/बी.ए. (व्याकरण), 3 वर्ष

प्रथम	संस्कृतव्याकरणम् खण्ड-I (क)
	संस्कृतव्याकरणम् खण्ड-I (ख)
	संस्कृतसाहित्यम्-I
	वैदिकसिद्धान्तपरिचय:-I
	आङ्ग्लभाषा-I
द्वितीय	संस्कृतव्याकरणम् खण्ड-II (क)
	संस्कृतव्याकरणम् खण्ड-II (ख)
	संस्कृतसाहित्यम्-II
	वैदिकसिद्धान्तपरिचय-II
	आङ्ग्लभाषा-II
तृतीय	संस्कृतव्याकरणम् खण्ड-III (क)
	संस्कृतव्याकरणम् खण्ड-III (ख)
	संस्कृतसाहित्यम्-III
	वैदिकसिद्धान्तपरिचय:-III
	आङ्ग्लभाषा-III
चतुर्थ	संस्कृतव्याकरणम् खण्ड-IV (क)
	संस्कृतव्याकरणम् खण्ड-IV (ख)
	संस्कृतसाहित्यम्-IV
	वैदिकसिद्धान्तपरिचय:-IV
	आङ्ग्लभाषा-IV
पंचम	संस्कृतव्याकरणम् खण्ड-V (क)
	संस्कृतव्याकरणम् खण्ड-V (ख)
	संस्कृतसाहित्यम्-V
	वैदिकसिद्धान्तपरिचय:-V
	आङ्ग्लभाषा-V
षष्ठ	संस्कृतव्याकरणम् खण्ड-VI (क)
	संस्कृतव्याकरणम् खण्ड-VI (ख)
	संस्कृतसाहित्यम्-VI
	वैदिकसिद्धान्तपरिचय:-VI
	आङ्ग्लभाषा-VI

Course Detail

Semester	Paper Name
	Sanskrit-III
	Hindi-III
	Communicative English-III
4th	NyayaDarshan-II
	Vaisheshik Darshan-II
	Sanskrit-IV
	Hindi-IV
	Communicative English-IV
5th	Vedanta Darshan-I
	MimamsaDarshan-I
	Sanskrit-V
	Hindi-V
	Communicative English-V
6th	Vedanta Darshan-II
	Nighantu
	Sanskrit-VI
	Hindi-VI
	Communicative English-VI

Shastri/B.A. (Vyakarana), 3 Years

1st	Sanskrit Vyakaran Part-I (A)
	Sanskrit Vyakaran Part-II (B)
	Sanskrit Sahitya Part-I
	Vedic SiddhantaParichaya-I
	AangalBhasha (English)-I
2nd	Sanskrit Vyakaran Part-II (A)
	Sanskrit Vyakaran Part-II (B)
	Sanskrit Sahitya Part-II
	Vedic SiddhantaParichaya-II
	AangalBhasha (English)-II
3rd	Sanskrit Vyakaran Part-III (A)
	Sanskrit Vyakaran Part-III (B)
	Sanskrit Sahitya Part-III
	Vedic SiddhantaParichaya-III
	AangalBhasha (English)-III
4th	Sanskrit Vyakaran Part-IV (A)
	Sanskrit Vyakaran Part-IV (B)
	Sanskrit Sahitya Part-IV
	Vedic SiddhantaParichaya-IV
	AangalBhasha (English)-IV
5th	Sanskrit Vyakaran Part-V (A)
	Sanskrit Vyakaran Part-V (B)
	Sanskrit Sahitya Part-V
	Vedic SiddhantaParichaya-V
	AangalBhasha (English)-V
6th	Sanskrit Vyakaran Part-VI (A)
	Sanskrit Vyakaran Part-VI (B)
	Sanskrit Sahitya Part-VI
	Vedic SiddhantaParichaya-VI
	AangalBhasha (English)-VI

पाठ्यक्रम विवरण

सत्र	शीर्षक	शीर्षक नाम
शारीरिक शिक्षा और खेल स्नातक, 3 वर्ष		
प्रथम	अनिवार्य पाठ्यक्रम I	अनिवार्य पाठ्यक्रम हिन्दी
	अमुख्य मूल पाठ्यक्रम I	मानव शरीर रचना और फिजियोलॉजी
	प्रमुख मूल पाठ्यक्रम-II	शारीरिक शिक्षा एवं खेल का इतिहास
	वैकल्पिक पाठ्यक्रम-I	a) योग के आधार b) खेल पत्रकारिता
	वैकल्पिक मैदान पाठ्यक्रम-1	खेल क्रियात्मक वॉलीबाल कबड्डी वुडबॉल बैडमिंटन
	वैकल्पिक आधार पाठ्यक्रम II	सामान्य पाठ्यक्रम क्रियात्मक (निम्नलिखित गतिविधियों में से किसी एक पर) आवागमन कैलिस्थेनिक्स बैंड और बांसुरी
	अमुख्य वैकल्पिक प्रयोगशाला पाठ्यक्रम II	योग (प्रयोगात्मक)
द्वितीय	अनिवार्य पाठ्यक्रम II	अनिवार्य पाठ्यक्रम अग्रेजी
	अमुख्य वैकल्पिक पाठ्यक्रम III	योग और सर्वांगीण स्वास्थ्य
	प्रमुख मूल पाठ्यक्रम II	शारीरिक शिक्षा का परिचय
	वैकल्पिक पाठ्यक्रम IV	a) स्वास्थ्य शिक्षा और पोषण b) अभ्यास फिजियोलॉजी
	वैकल्पिक आधार पाठ्यक्रम III	खेल क्रियात्मक (निम्नलिखित खेल गतिविधियों में से किसी एक पर) डिस्कस थ्रो ट्रिपल जम्प हर्डलेस मध्य और लंबी दूरी की दौड़
	वैकल्पिक आधार पाठ्यक्रम IV	खेल क्रियात्मकरू (निम्नलिखित खेल गतिविधियों में से किसी एक पर) लघु-दौड़ लम्बी कूद गोली चलाना रिले
	अमुख्य वैकल्पिक प्रयोगशाला पाठ्यक्रम II	योग क्रियात्मक
तृतीय	अनिवार्य पाठ्यक्रम II	पर्यावरण विज्ञान (स्वयं अध्ययन मोड)
	प्रमुख मूल पाठ्यक्रम V	योग शिक्षण की विधि
	प्रमुख मूल पाठ्यक्रम VI	शारीरिक शिक्षण की विधि
	वैकल्पिक पाठ्यक्रम III	I) खेल में जैव यांत्रिकी के बुनियादी सिद्धांत ii) अनुकूलित शारीरिक शिक्षा
	वैकल्पिक आधार पाठ्यक्रम V	खेल क्रियात्मक (निम्नलिखित खेल गतिविधियों में से किसी एक पर) खो खो बास्केट बॉल जूडो मुक्केबाजी टेबल टेनिस

Course Detail

Semester	Course	CourseName
Bachelor of Physical Education & Sports, 3 Year		
1st	Compulsory Course I	Compulsory Course Hindi
	Minor Core Course I	Human Anatomy & Physiology
	Major Core Course II	History of Physical Edu. & Sport
	Elective Course I	a) Foundation of Yoga b) Sports Journalism
	Elective Ground Course I	Games Practicals: Volleyball Kabaddi Woodball Badminton
	Elective Ground Course II	General Lessons Practicals (on any one of the following activities) Marching Calisthenics Dumb-Bell Band & Flute
	Minor Elective Lab Course II	Yoga (Practical)
2nd	Compulsory Course II	Compulsory Course English
	Minor Core Course III	Yoga & Holistic Health
	Major Core Course II	Introduction to Physical Education
	Elective Course IV	a) Health Education & Nutrition b) Exercise Physiology
	Elective Ground Course III	AtheleticsPracticals: (On any one of the following Athelitic events) Discus Throw Triple Jump Hurdles Middle & Long distance Races
	Elective Ground Course IV	AtheleticsPracticals: (on any one of the following events) Sprints Long Jump Shot Put Relay
	Minor Elective Lab Course II	Yoga (Practical)
3rd	Compulsory Course III	Environmental Science (Self study mode)
	Major Core Course V	Methods of Teaching Yoga
	Major Core Course VI	Methods in Physical Education
	Elective Course III	i) Fundamentals of Biomechanics in Sport ii) Adapted Physical Education
	Elective Ground Course V	Games Practicals: (On any one of the following Athelitic Events) Kho Kho Basket Ball Judo Boxing Table Tennis

पाठ्यक्रम विवरण

सत्र	शीर्षक	शीर्षक नाम
	वैकल्पिक आधार पाठ्यक्रम IV	जिमनास्टिक प्रयोग (निम्नलिखित गतिविधियों में से किसी एक पर) तल व्यायाम मेहराब घोड़ा समांतर बार संतुलन बीम
	अमुख्य वैकल्पिक प्रयोगशाला पाठ्यक्रम III	योग क्रियात्मक
चतुर्थ	प्रमुख मूल पाठ्यक्रम VII	उपचारात्मक और मालिश
	प्रमुख मूल पाठ्यक्रम VIII	शारीरिक शिक्षा के संगठन और प्रशासन
	वैकल्पिक पाठ्यक्रम IV	योग थेरेपी का आधार अधिकारी और कोचिंग
	वैकल्पिक पाठ्यक्रम V	खेलों में विशेषज्ञता (निम्नलिखित गतिविधियों में से किसी एक पर) वुडबॉल कबड्डी जूडो बैडमिंटन
	वैकल्पिक आधाार पाठ्यक्रम VII	सामान्य पाठ प्रैक्टिकल (निम्नलिखित गतिविधियों में से किसी एक पर) कक्षा गठन लैजिएम भारतीय क्लब और रिंग्स एरोबक्सि
	वैकल्पिक आधार पाठ्यक्रम VIII	कसरत क्रियात्मक (निम्नलिखित गतिविधियों में से किसी एक पर) अनियमित बाधा (महिलाओं के लिए) लयबद्ध कसरत (महिलाओं के लिए) क्षैतिज बाधा (पुरुषों के लिए) पोम्मेल हार्स (पुरुषों के लिए) रोमन रिंग्स (पुरुषों के लिए)
	अमुख्य वैकल्पिक प्रयोगशाला पाठ्यक्रम IV (या)	योग क्रियात्मक
5th	प्रमुख मूल पाठ्यक्रम IX	किनीसियोलॉजी
	प्रमुख मूल पाठ्यक्रम X	खेल परीक्षण की बुनियादी बाते
	प्रमुख मूल पाठ्यक्रम XI	सामान्य खेल चोटें (रोकथाम और इलाज)
	वैकल्पिक पाठ्यक्रम VI	खेलों में विशेषज्ञता (निम्नलिखित गतिविधियों में से किसी एक पर) खो खो बास्केटबाल मुक्केबाजी ताइक्वॉण्डो

Course Detail

Semester	Course	CourseName
	Elective Ground Course IV	Gymnastics Practicals: (on any one of the following activities) Floor Exercises Vaulting Horse Parallel Bar Balancing Beam
	Minor Elective Lab Course III	Yoga (Practical)
4th	Major Core Course VII	Remedial & Massage
	Major core Course VIII	Organization & Admin. of Phy. Edu.
	Elective Course IV	Basis of Yoga Therapy Officiating and Coaching
	Elective Course V	Specialization in the Games: (On any one of the following Games) Woodball Kabaddi Judo Badminton
	Elective Ground Course VII	General Lessons Practicals: (On any one of the following Activities) Class Formation Lazium Indian Clubs & Rings Aerobics
	Elective Ground Course VIII	Gymnastics Practicals: (On any one of the following Activity) Uneven Bar (For women) Rhythmic Gymnastics (For Women) Horizontal Bar (For Men) Pomell Horse (for men) Roman Rings (For men)
	Minor Elective Lab Course IV (OR)	Yoga Practicals
5th	Major Core Course IX	Kinesiology
	Major Core Course X	Fundamentals of sports Training
	Major Core Course XI	Common sports injuries (Prevention & Cure)
	Elective Course VI	Specialization in the Games: (on any one of the following Games) Kho Kho Basketball Boxing Taekwondo

पाठ्यक्रम विवरण

सत्र	शीर्षक	शीर्षक नाम
	वैकल्पिक आधार पाठ्यक्रम IX	खेल क्रियात्मकरू (किसी भी खेल पर) क्रिकेट हैन्डबाल ताइक्वॉण्डो भारोत्तोलन फुटबाल
	वैकल्पिक आधार पाठ्यक्रम X	व्यायाम क्रियात्मक (निम्नलिखित खेल गतिविधियों में से किसी एक पर) ऊँची छलांग हथौड़ा फेंक भाला प्रतिस्पधी चलना
	अमुख्य वैकल्पिक प्रयोगशाला पाठ्यक्रम VI	योगा क्रियात्मक
6th	प्रमुख मूल पाठ्यक्रम XII	शारीरिक शिक्षा में कम्प्यूटर्स का आधार
	प्रमुख मूल पाठ्यक्रम XIII	खेल मनोविज्ञान
	प्रमुख मूल पाठ्यक्रम XIV वैकल्पिक पाठ्यक्रम VI	परीक्षण, मापन और मूल्यांकन खेलों में विशेषज्ञता (निम्नलिखित खेल में से किसी एक पर) योग हैन्डबाल वॉलीबाल फुटबाल
	वैकल्पिक आधार पाठ्यक्रम XI	किसी भी दो गेम में चिह्नित और कार्यवाहक (पाठ्यक्रम में सत्र की सामग्री शामिल है I-V)
	वैकल्पिक आधार पाठ्यक्रम XII	चिह्नित और कार्यवाहक मे व्यायाम (सत्र की पाठ्यक्रम सामग्री में एक ट्रैक इवेंट और एक फील्ड इवेंट शामिल है I-V)
	अमुख्य वैकल्पिक प्रयोगशाला पाठ्यक्रम VII	कम्प्यूटर की बुनियादी बाते शारीरिक शिक्षा में आवेदन (क्रियात्मक)

सत्र	शीर्षक
सहायक पाठ्यक्रम (संस्कृत), 1 वर्ष	
प्रथम	संस्कृतव्याकरणम् खण्ड-। (क)
	संस्कृतव्याकरणम् खण्ड-। (ख)
	संस्कृतसाहित्यम्-।
	वैदिकसिद्धान्तपरिचय:-।
	आङ्ग्लभाषा-।
द्वितीय	संस्कृतव्याकरणम् खण्ड-।। (क)
	संस्कृतव्याकरणम् खण्ड-।। (ख)
	संस्कृतसाहित्यम्-।।
	वैदिकसिद्धान्तपरिचय:-।।
	आङ्ग्लभाषा-।।

नोट :- बी.ए./बी.एस-सी. (योग विज्ञान) के लिए एक सत्र में अंग्रेजी अनिवार्य विषय के रूप में है।

Course Detail

Semester	Course	CourseName
	Elective Ground Course IX	Games Practicals (on any one of the games) Cricket Handball Taekwondo Weightlifting Football
	Elective Ground Course X	AtheleticsPracticals(on any one of the following athletic events) High Jump Hammer Throw Javelin Competitive walking
	Minor Elective Lab Course VI	Yoga Practicals
6th	Major Core Course XII	Fundamental of Comp. App.in Physical Education
	Major core Course XIII	Sports Psychology.
	Major core Course XIV Elective Course VI	Test, Measurement & Evaluation Specialization in the Games: (On any one of the following Games) Yoga Handball Volleyball Football
	Elective Ground Course XI	Marking & officiating in any two games(Covered In course contents of semester I-V)
	Elective Ground Course XII	Marking & Officiating in atheletics(i.e one track Event & one filed event covered in course content s of Semester I-V)
	Minor Elective Lab Course VII	Fundamentals of Computer Application in Phy.Edu(Practical)

Semester	Paper Name
Bridge Course (Sanskrit), 1 Year	
1st	Sanskrit Vyakaran Part-I (A)
	Sanskrit Vyakaran Part-I (B)
	Sanskrit Sahitya-I
	Vedic SiddhantaParichaya-I
	Aangal Bhasha-1
2nd	Sanskrit Vyakaran Part-II (A)
	Sanskrit Vyakaran Part-II (B)
	Sanskrit Sahitya-II
	Vedic SiddhantaParichaya-II
	Aangal Bhasha-I1

Note:- Communicative English will be compulsory for one semester in B.A./B.Sc.

पाठ्यक्रम विवरण

सत्र	शीर्षक
स्नात्कोत्तर डिप्लोमा वैदिक दर्शन, 1 वर्ष	
प्रथम	दर्शन स्मरण
	संस्कृत व्याकरण
	संस्कृत साहित्य
	दर्शन प्रबोध
	अंग्रेजी
द्वितीय	दर्शन स्मरण
	संस्कृत व्याकरण
	संस्कृत साहित्य
	दर्शन प्रबोध - षड्दर्शन परिचय
	अंग्रेजी
एम.ए. संस्कृत (व्याकरण), 2 वर्ष	
प्रथम	संस्कृत व्याकरणम् (क)
	संस्कृत व्याकरणम् (ख)
	संस्कृत व्याकरणम् (ग)
	संस्कृत व्याकरणम् (घ)
	संस्कृत साहित्यम्
द्वितीय	संस्कृत व्याकरणम् (क)
	संस्कृत व्याकरणम् (ख)
	संस्कृत व्याकरणम् (ग)
	संस्कृत व्याकरणम् (घ)
	संस्कृत साहित्यम्
तृतीय	संस्कृत व्याकरणम् (क)
	संस्कृत व्याकरणम् (ख)
	संस्कृत व्याकरणम् (ग)
	संस्कृत व्याकरणम् (घ)
	संस्कृत साहित्यम्
चतुर्थ	संस्कृत व्याकरणम् (क)
	संस्कृत व्याकरणम् (ख)
	संस्कृत व्याकरणम् (ग)
	संस्कृत व्याकरणम् (घ)
	संस्कृत साहित्यम्

पतंजलि विश्वविद्यालय की स्थापना

पतंजलि विश्वविद्यालय दिल्ली-हरिद्वार राष्ट्रीय राजमार्ग पर हरिद्वार से 18 कि.मी. पश्चिम में तथा रुड़की से 12 कि.मी. पूर्व में स्थित है। हरिद्वार या रुड़की रेलवे स्टेशन से विश्वविद्यालय तक सुगमता से पहुँचा जा सकता है। जॉलीग्रान्ट, देहरादून हवाई अड्डा विश्वविद्यालय से 52 कि.मी उत्तर-पूर्व में स्थित है।

पतंजलि विश्वविद्यालय की प्रमुख विशेषताएँ

राष्ट्रीय एकता : विश्वविद्यालय में 15 विभिन्न राज्यों के छात्र/छात्रायें अध्ययनरत हैं। 'वसुधैव कुटुम्बकम्' की भावना के अनुरूप छात्र/छात्राओं का संरक्षण तथा संवर्धन जाति, वर्ग, भाषा, प्रान्त, मत आदि के भेदभाव के बिना किया जाता है। छात्र/छात्राओं में परस्पर सहयोग, सामञ्जस्य, शिष्टाचार आदि मानवीय गुणों का विकास किया जाता है।

समारोह का आयोजन : विश्वविद्यालय में सामाजिक राष्ट्रीय उत्सवों यथा होली, दीपावली, मकर संक्रान्ति, रक्षाबन्धन, स्वतन्त्रता दिवस, गणतन्त्र दिवस आदि को पूर्ण उल्लास से मनाया जाता है। छात्र/छात्राओं को 16 संस्कारों का व्यावहारिक ज्ञान भी प्रदान किया जाता है।

गुरुकुल परम्परा : विश्वविद्यालय में गुरुकुल परम्परा के अनुरूप शिक्षकों तथा विद्यार्थियों में गुरु-शिष्य के पवित्र आत्मीय सम्बन्धों को विकसित किया जाता है।

योग्य कार्य-कुशल प्राध्यापक : विश्वविद्यालय के समस्त प्राध्यापक व व्यवस्थापक योग्य, कार्य-कुशल, निर्व्यसनी तथा समाज, राष्ट्र, संस्कृति व मानवता के प्रति समर्पित हैं।

Course Detail

Semester	Paper Name
PG Diploma in Vedic Darshan, 1 Year	
First	Darshan Sansmaran
	Sanskrit Vyakaran
	Sanskrit Sahitya
	Darhan Prabodh
	English
Second	Darshan Sansmaran
	Sanskrit Vyakaran
	Sanskrit Sahitya
	Darhan Prabodh - Shaddarshan Parichaya
	English
M.A. Sanskrit (Vyakaran), 2 Years	
First	Sanskrit Vyakaran (A)
	Sanskrit Vyakaran (B)
	Sanskrit Vyakaran (C)
	Sanskrit Vyakaran (D)
	Sanskrit Sahitya
Second	Sanskrit Vyakaran (A)
	Sanskrit Vyakaran (B)
	Sanskrit Vyakaran (C)
	Sanskrit Vyakaran (D)
	Sanskrit Sahitya
Third	Sanskrit Vyakaran (A)
	Sanskrit Vyakaran (B)
	Sanskrit Vyakaran (C)
	Sanskrit Vyakaran (D)
	Sanskrit Sahitya
Forth	Sanskrit Vyakaran (A)
	Sanskrit Vyakaran (B)
	Sanskrit Vyakaran (C)
	Sanskrit Vyakaran (D)
	Sanskrit Sahitya

Approach to the University of Patanjali

University of Patanjali is located about18 km. west to Haridwar and 12km. east to Roorkee on Delhi-Haridwar National Highway. The University is easily reachable through Roorkee and Haridwar Railway Station. The Nearest Airport is located at Doiwala, Dehradun about 52km North-East from the University.

Special Features of the University of Patanjali

National Integration : Male/Female students from India & abroad are studying in the University. All the students get due care and guidance irrespective of their caste, creed, language, region, sex etc., with the noble sentiment of "vasudhaivakutumbakam" (the whole world is our family). Humanitarian qualities like mutual co-operation, harmony, etiquette etc. are instilled in students.

Celebration of Festivals : Festivals and days of social and national importance like Holi, Deepawali, MakarSankranti, Rakshabandhan, Independence Day, Republic Day etc are celebrated on the University campus with a lot of jubilation.

Gurukul Tradition : Efforts are made to develop sacred and kindred relations between the teacher and the taught in keeping with the Gurukul tradition. Parental affection and love is provided by the teachers to all students.SwamiRamdev and Acharya Balkrishna also bless students on certain occasion.

Well Qualified Faculties : The teaching staff of the University is efficient, competent, elevated and empathetic.

Values Development : The main stress is laid on development of optimal impression, good habits and values among the students. Every effort tends to develop a sincerity, integrity, punctuality and sense of duty within students toward their culture and humanity.

UNIVERSITY OF PATANJALI
PUBLISHED / UNDER REVIEW
RESEARCH PAPERS OF Ph.D Students

1. A dynamic Executive Function Framework for Linking Attention, Adjustment and Cognitive flexibility of school children to Yoga. *Medical Sciences: OMICS International Publications (2018) – Accepted for publication.*

2. Management Model to promote hair nourishment for Androgenic Alopecia cases through Traditional and Complimentary Systems. *International Journal of Basic and Advance Research (2018) – Published*

3. Prevalence rates of internet addicts before and after Yoga practices using Young's Scale. *Journal of Harmonized Research in Applied Sciences: UNI publication.* 6(2), 41-48, ISSN 2321- 7456 (2018) - Published

4. "Wait & Watch" Yoga techniques to tentative Internet Game Disorder in adolescent groups. Cyber Psychology, *Behaviour and Social Networking Journal (2018) (Under Review)*

5. Play and learn Yoga through Chess Game: Its Psychometric analysis. *Journal of Educational Psychology: APA Publication, Under Review.*

6. Yoga as a mate to improve Memory. *Nature Journal (2018) – Under Review.*

7. Play and learn Yogasana with Chess Game: Correlations with GherandaSamhita'sAsanas. *Journal of Harmonized Research in Applied Sciences: UNI publication (2018)– Under Review.*

8. Conceptualizing and Validating a questionnaire to measure Bhakti yoga – A Psychometric analysis (2018) – *Under Review*

9. Bio field energy supply, black holes, neutrinos, Applied Developmental Science, 2018 – *Under Review*

10. Empirical and semi empirical models on Philosophy of Kundalini, *Journal of Theoretical and Philosophical Psychology, 2018* – Under Review.

11. Symmetrical and Asymmetrical Respiratory frequency rates and its relation with quantum bio energy field, *Indian Journal of Philosophy and Pharmacology, 2018* – Under Review

12. Micro level experience of macro level change in the physical body: Micro black hole model, *Theory and Psychology,* 2018 – Under Review.

13. Tri -guna personality development model: using Schwartz theory of basic values, *Personality Development* – 2018, Under Review.

14. Locus ceruleus activity mediates Emotional tear response to anxiety: Empirical Relation between Biochemical Tear Coefficient and Emotional Quotients, *Biological Psychiatry, 2018*, To be sent

15. Peptic Ulcer Treatment through Yoga – A Review, *Journal of Harmonized Research in Applied Sciences*, 2018, Under Review

16. Body-Mind relaxation during the breathing practice of three letter word, A-U-M sound vibrations: Applying the Doppler principle for managing the stress, *Journal of Applied Psychology,* 2018, Under Review

17. Ph.D thesis on " Neuro physiological correlates of two yoga breathing techniques (Kapalabhati and Meditative breathing), 2016, Submitted for consideration by Nilkamal Singh, Research Guide : Dr. Shirley Telles .

18. Effect of Yoga on General Health: Food Habits versus Blood Groups, *International Journal of Health*, 2017, Published

19. Yoga Practices for different Blood types based on Occidental – Oriental Food habits, *International Journal of Health*, 2017 – Published.

Research Papers to be sent :

20. Karma Yoga based on Bhagavad Gita

21. Consciousness and Yoga

22. Muladhara Chakra.

23. Praanic Energies and Yoga

24. Blood Groups versus Vaat, Pith and Kapha

25. Nano Technology Bio Fertilizers – Agriculture

26. HIV / AIDS

27. Anti Cancer

28. Plant pesticides and insecticides

29. ThathaPinde – YathaBrahmande (Yoga Vijnanam)

30. Swami Ramdev – Leadership qualities and Organizational building

प्रवेश प्रक्रिया एवं महत्त्वपूर्ण तिथियां

1. आवेदन पत्र प्राप्त करने की तिथि	-	03 से 22 जून 2019
2. पूर्ण रूप से भरे आवेदन पत्र जमा करने की अंतिम तिथि	-	24 जून 2019 (सोमवार)
3. पूर्ण रूप से भरे आवेदन पत्र जमा करने की अंतिम तिथि (विलम्ब शुल्क 100/- रुपये सहित)	-	29 जून 2019 (शनिवार)
4. वैध आवदेन-पत्रों की सूची (सूचना पतंजलि वि.वि. की वेबसाइट पर)	-	01 जुलाई 2019 (सोमवार)
5. अभ्यर्थी "प्रतिभा मूल्यांकन शिविर" हेतु दो ज़ोड़ी कुर्ता-पजामा लिखित प्रवेश परीक्षा के समय साथ लायें		
6. लिखित प्रवेश परीक्षा की तिथि	-	05 जुलाई 2019 (शुक्रवार)
7. प्रवेश परीक्षा में उत्तीर्ण अभ्यर्थियों की सूची (सूचना पतंजलि वि.वि. की वेबसाइट पर)	-	06 जुलाई 2019 (शनिवार)
8. "प्रतिभा मूल्यांकन शिविर" पाँच दिवसीय शिविर में प्रवेश हेतु शुल्क भुगतान रु० 4,000/-	-	07 जुलाई 2019 (रविवार)
9. "प्रतिभा मूल्यांकन शिविर" पाँच दिवसीय शिविर (प्रमाण-पत्रों की जाँच, चिकित्सकीय परीक्षण, विभिन्न साक्षात्कार, खेलकूद, योग आदि)	-	07 से 11 जुलाई 2019
10. विभिन्न पाठ्यक्रमों में सफल अभ्यर्थियों की सूची (प्रतीक्षा सूची सहित)	-	15 जुलाई 2019 (सोमवार)
11. शुल्क जमा करने की तिथि (जो अभ्यर्थी 29 जुलाई तक पूर्ण शुल्क का भुगतान नहीं करेंगे उनकी सीट अन्य अभ्यर्थियों को प्रदान की जा सकती है।)	-	16 से 29 जुलाई 2019 तक
12. सत्र प्रारम्भ (2019-20)	-	01 अगस्त 2019 (बृहस्पतिवार)

महत्त्वपूर्ण सूचनाएँ :-

1. विवरणिका पतंजलि विश्वविद्यालय के कार्यालय से रुपये 500/- का भुगतान कर प्राप्त की जा सकती है। डाक द्वारा विवरणिका प्राप्त करने के लिए रुपये 550/- का डिमाण्ड ड्राफ्ट (जो कि 'पतंजलि विश्वविद्यालय हरिद्वार' के नाम पर देय होगा) का भुगतान कर सकते हैं। प्रवेश हेतु पूर्ण रूप से भरे हुये आवेदन-पत्र के साथ रुपये 500/- का डिमाण्ड ड्राफ्ट, सभी आवश्यक स्व-सत्यापित प्रमाण-पत्रों की छायाप्रति तथा अपना पता लिखे हुए 10"X12" (A4 साईज) एवं 10"X4.5"आकार के लिफाफे संलग्न कर रजिस्टर्ड डाक द्वारा "कुल सचिव, पतंजलि विश्वविद्यालय, पतंजलि योगपीठ हरिद्वार-249405, उत्तराखण्ड, फोन न. 01334-242526, 273042, 240008" पर प्रेषित करें।
2. वेबसाइट- www.universityofpatanjali.com के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन-पत्र, रुपये 1,000/- (500/- रुपये विवरणिका व आवेदन-पत्र एवं 500/- रुपये प्रवेश परीक्षा) भुगतान कर जमा कर सकते हैं।

Admission Process and Important Dates

1.	Dates for issue of Application Form & Prospectus	-	03 to 22 June, 2019
2.	Last date for submitting duly filled Application Forms	-	24 June, 2019 (Monday)
3.	Last date for submitting duly filled Application Form with Late fee (Rs. 100/-)	-	29 June, 2019 (Saturday)
4.	List of valid Application forms on website	-	01 July 2019 (Monday)
5.	Applicants coming for Written Entrance Test should bring 02 sets of white Kurta & Pazzama for "Pratibha Mulyankan Shivir"		
6.	Written Entrance Test	-	05 July 2019 (Friday)
7.	List of Students who have passed the "Written Test", on website	-	06 July 2019 (Saturday)
8.	Pass students will be required to deposit Rs. 4,000/- for Five Days "Pratibha Mulyankan Shivir"	-	07 July 2019 (Sunday)
9.	"Pratibha Mulyankan Shivir" for Medical Examination, Document Verification, Various Interviews, games, Yog etc.	-	7 to 11 July 2019
10.	Final list of students admitted in various Courses with Waiting List	-	15 July 2019 (Monday)
11.	Fee Payment (Those who fail to submit full fees till 29 July, may lose their seat)	-	16 to 29 July 2019
12.	Session (2019-20) begins	-	01 August 2019 (Thursday)

Important Information:

Prospectus can be obtained by paying Rs. 500/- from the office at University of Patanjali. To obtain prospectus by post, please send Bank Draft of Rs. 550/- in favour of "University of Patanjali" payable at Haridwar. Filled in application form along with a Demand Draft of Rs. 500/- and self attested photo copies of all the required documents with self-addressed envelope of $10^2 \times 12^2$ (A4 size) and $10^2 \times 4.5^2$ to be sent through Registered post to Registrar, University of Patanjali, Patanjali Yogpeeth, Haridwar-249405, Uttarakhand, Phone: 01334-242526.

Candidate can apply online through online payment of Rs. 1,000/- (Rs. 500/- for prospectus & Rs. 500/- for Entrance Test) by accessing www.universityofpatanjali.com.

विश्वविद्यालय नियमावली

परम पिता परमेश्वर द्वारा सम्पूर्ण सृष्टि के समस्त प्राणियों के कल्याण व उत्थान हेतु विभिन्न नियम व मर्यादा सुनिश्चित की हैं जिन्हें वेदों में ऋत नियमों के रूप में भी जाना जाता है । सम्पूर्ण विश्व का सर्वाधिक महत्वपूर्ण बिन्दु अनुशासन है और अनुशासन से ही राष्ट्र का उत्थान सम्भव है। अनुशासन से ही शारीरिक, आत्मिक, सामाजिक व आर्थिक उन्नति सम्भव है। वेदोक्त जीवन हमें विधि-निषेध पूर्वक मर्यादित जीवन जीने की शिक्षा देता है। "बन्धन में ही सृजन है" अतएव नियमों एवं मर्यादाओं को बन्धन न मानकर अपने सृजन का आधार मान कर प्रसन्नतापूर्वक आत्मसात करें।

1. समस्त पाठ्यक्रमों में कुल स्वीकृत सीटों के अतिरिक्त 6% सीटों पर चयन कुलपति के अधिकार के क्षेत्र के अन्तर्गत किया जायेगा।
2. प्रत्येक सत्र के प्रत्येक विषय में 75% उपस्थिति अनिवार्य होगी, जिसमें 5% की छूट क्रीड़ा-प्रतिभागी के लिए, 5% चिकित्सा सम्बन्धी पृष्ठभूमि (चिकित्सकीय प्रमाण-पत्र दिखाने पर), 5% सांस्कृतिक क्रिया-कलाप तथा 5% विशेष परिस्थितियों में प्रति-कुलपति महोदय की अनुशंसा पर दी जायेगी। (नोट : उपरोक्त विभिन्न चार 5% छूटों में से कोई एक 5% छूट की ही प्राप्त की जा सकती है।)
3. प्रस्तुत नियम विश्वविद्यालय में पंजीकृत सभी छात्र-छात्राओं के लिए आवश्यक रूप से पालनीय हैं । विश्वविद्यालय परिसर अथवा परिसर से बाहर कहीं भी अनुशासन भंग करते हुए पाये जाने पर अथवा सूचना प्राप्त होने पर यथोचित अनुशासनात्मक कार्यवाही की जायेगी।
4. सभी छात्रों से अपेक्षा की जाती है कि सभी अध्यापकों से सम्मान जनक व्यवहार करेगें। आपसी व्यवहार में भी वरिष्ठता का ध्यान रखें। तथा वरिष्ठ विद्यार्थी छोटे विद्यार्थियों को अपने छोटे भाई-बहन मानकर अतिप्रेम पूर्वक व्यवहार व सहयोग करें।
5. शैक्षणिक गतिविधियों एवं परीक्षा सम्बन्धी क्रिया-कलापों में भ्रष्टता व गड़बड़ी पाये जाने पर एवं छात्र / छात्राओं के बीच किसी भी प्रकार के विवाद मारपीट की स्थिति में अनुशासनात्मक कार्यवाही की जायेगी। ध्यातव्य रहे कि किसी भी स्थिति-परिस्थिति में किसी को वाणी व्यवहार से प्रताडित नहीं करना। विश्वविद्यालय परिसर के अन्दर व बाहर परस्पर किसी के ऊपर हाथ उठाना अक्षम्य अपराध है ।
6. विश्वविद्यालय द्वारा चलाये जा रहे योग सम्बन्धी सभी पाठ्यक्रमों के पञ्जीकृत छात्रों को अनिवार्यत: छात्रावास में अन्तेवासी के रूप में रहना आवश्यक है। छात्र / छात्राओं के लिए अलग-अलग छात्रावास की व्यवस्था है तथा उनके कुछ नियम व मर्यादाएं भिन्न-भिन्न है ।
7. सभी छात्र / छात्राएं निर्धारित गणवेश में ही विश्वविद्यालय परिसर में रहें । निर्धारित गणवेश एवं परिचय-पत्र के साथ न पाये जाने पर कार्यवाही की जायेगी।
8. विश्वविद्यालय की किसी भी सम्पत्ति एवं विश्वविद्यालय के किसी भी सदस्य की कोई भी सम्पत्ति को जान-बूझकर अथवा अनजाने में क्षति पहुँचाये जाने पर दोषी छात्र के विरुद्ध कार्यवाही की जायेगी।
9. सभी छात्र / छात्राएं सादगीपूर्वक ही रहें एवं वस्त्र / केश विन्यास व सौन्दर्य प्रसाधन में मर्यादाओं का ध्यान रखेंगें तथा किसी भी प्रकार के अत्याधुनिक सौन्दर्य प्रसाधन का प्रयोग नहीं करेगें।
10. विश्वविद्यालय परिसर एवं सम्पत्ति का अनाधिकृत प्रयोग या दुरुपयोग करते हुए पाये जाने पर अथवा ऐसी सूचना प्राप्त होने पर छात्र / छात्रा के विरुद्ध कार्यवाही की जायेगी।
11. संस्थागत उत्सव एवं ज्ञानवर्धक सत्र आदि में माननीय कुलाधिपति, मा० कुलपति एवं मा० प्रतिकुलपति के निर्देशानुसार विश्वविद्यालय के सभी छात्र / छात्राओं की शत-प्रतिशत उपस्थिति अनिवार्य रहेगी।
12. विश्वविद्यालय प्रशासन में किसी भी प्रकार के अवांछित / अशोभनीय / अमर्यादित कृत्य में संलिप्तता पाये जाने पर अनुशासनात्मक कार्यवाही की जायेगी।
13. विश्वविद्यालय के छात्र / छात्राओं की प्रत्येक सप्ताह शैक्षणिक प्रगति समीक्षा की जायेगी जिसमें विषयगत स्मरण, लेखन, एवं निर्दिष्ट कार्य का मूल्यांकन किया जायेगा। तथा भाषा की कुशलता हेतु सुनिश्चित समय में संस्कृत व अंग्रेजी संभाषण का अभ्यास अनिवार्य रहेगा।
14. छात्र / छात्राओं को अपरिहार्य स्थिति में भी अधिकृत अधिकारी की अनुमति के बिना अवकाश अनुमन्य नहीं हैं । अध्ययन सत्र अवधि में किसी भी प्रकार का अवकाश नहीं मिलेगा। अवकाश समाप्ति पर सुनिश्चित तिथि में ही उपस्थित होना अनिवार्य है । यदि किसी कारणवश से विद्यार्थी विलम्ब से आता है तो 1000 प्रति दिन आर्थिक दण्ड का भुगतान करना पडेगा और यदि सात दिन बाद आता है तो उसका नामांकन निरस्त किया जा सकता है।

15. विश्वविद्यालय के सभी छात्र / छात्राओं से अपेक्षा की जाती है कि वस्तु क्रय व सामानों के प्रयोग में स्वदेशी भावना की अनुपालना सुनिश्चित करें। पतंञ्जलि विश्वविद्यालय परिसर में रहते समय उपलब्ध पतंञ्जलि उत्पादों का प्रयोग ही अनिवार्य रूप से छात्र / छात्राओं को करना हैं ।

16. किसी भी प्रकार की अनुशासनहीनता के पाये जाने पर माननीय कुलपति, माननीय प्रति कुलपति के दिशा निर्देशन में सक्षम प्राधिकारी / अनुशासन समिति / छात्रपाल द्वारा निर्धारित दण्ड उनके अपने स्वविवेक पर निर्भर होगा। जिनमें कि अर्थदण्ड, श्रमदण्ड, निष्कासन, निलम्बन इत्यादि हो सकते हैं।

17. विश्वविद्यालय परिसर में छात्र / छात्राओं के द्वारा जातिवाद, प्रान्तवाद, क्षेत्रवाद, भाषावाद, वंशवाद, एवं शारीरिक संरचना रंग-रूप, व परिधान इत्यादि विषयों के आधार पर किसी भी प्रकार की टिप्पणी, भेद-भाव तथा वाद-विवाद दण्डनीय है ।

18. छात्र / छात्राओं को विदित रहे कि अपने से बड़ो से वार्तालाप करते समय अति विनम्रता और सहन शीलता का परिचय देते हुए सम्मान जनक शब्दों का प्रयोग करें जैसे- आप, जी, इत्यादि । कभी भी बड़ो की बातों की अहवेलना न करे न ही उपहास करें ।

19. परस्पर व्यवहार का मुख्य साधन वाणी है अत: ध्यातव्य रहे कि परस्पर वाग्-विलास के क्षणों में भी अमर्यादित शब्दों का प्रयोग न करें (क्षेत्रीय शब्दों का यथा- तू , तेरे को, मेरे को, अबे, तबे इत्यादि) वाणी व्यवहार में शिथिलता न हो ।

20. छात्र / छात्राओं की प्रवेश प्रक्रिया में लिखित प्रवेश परीक्षा के साथ साथ पांच दिनों के छात्र प्रतिभा मूल्यांकन शिविर में सभी छात्र / छात्राओं को भाग लेना अनिवार्य होगा । जिसमें विद्यार्थियों के मानसिक, शारीरिक, व्यवहारिक, क्षमताओं का मूल्यांकन विविध मापदण्डों के अनुसार सुनिश्चिति किया जायेगा।

21. आर्थिक रूप से कमजोर परिवार वाले सेवाभावी, मेधावी, विनयशील, अनुशासित छात्र / छात्राओं की उन्नति हेतु विश्वविद्यालय की ओर से छात्रवृत्ति प्रदान की जायेगी तथा अन्य सुविधाओं में भी उनकी सहायता की जायेगी ।

22. विश्वविद्यालय में से कोई भी छात्र / छात्रा निर्दिष्ट ग्रंथ- वेद, व्याकरण, दर्शन, उपनिषद्, गीता, घेरण्ड संहिता, हठयोग प्रदीपिका आदि शास्त्रों को स्मरण करके संस्था द्वारा आयोजित वार्षिक शास्त्र प्रतियोगिता में नियमानुसार शास्त्रों को सुनाता हैं तो उसको शास्त्रानुसार निर्धारित 1000/- से लेकर 1,00,000/- रुपये तक का पुरस्कार दिया जायेगा ।

23. विश्वविद्यालय के छात्र / छात्राओं में लक्ष्य के प्रति दृढ़ संकल्प व अखण्ड प्रचण्ड पुरुषार्थ के साथ-साथ निष्ठापूर्वक विद्याभ्यासों, व्रताभ्यासों की परिपक्वता एवं जीवन की सफलता हेतु समय की उपलब्धतानुसार माह में एक बार योग ऋषि परम पूज्य स्वामी जी महाराज (माननीय कुलाधिपति),आयुर्वेद शिरोमणि परम पूज्य आचार्य जी महाराज (माननीय कुलपति) तथा परम पूज्य गुरुजी महाराज का पावन सानिध्य प्राप्त होगा।

24. हमारे नैतिक मूल्यों कर्त्तव्यों, सिद्धान्तों तथा वैदिक जीवन पद्धति पर आधारित साप्ताहिक कक्षा सभी छात्र / छात्राओं हेतु सुनिश्चित है। जिसमें समयानुसार माननीय प्रतिकुलपति महोदय एवं अन्य निर्धारित विद्वान्रों एवं आचार्यो का पावन सानिध्य प्राप्त होगा । जिसमें परस्पर विविध विषयों पर विचार विमर्श किया जायेगा जिससे विद्यार्थियों का ज्ञान परिपक्व होगा ।

25. सभी छात्र / छात्राएं इस बात का सदैव ध्यान रखें कि कक्षाओं, सभाओं तथा सभी दिनचर्याओं में निर्धारित समय से पूर्व पहुँचे। विलम्ब से पहुँचना या अनुपस्थित रहना दण्डनीय है।

26. सभी छात्र / छात्राएं विश्वविद्यालय परिसर / छात्रावास में लगे सूचनापट्ट (नोटिस बोर्ड)जिससे आपको सभी सूचनाएं प्राप्त होती हैं। उसे जागरुकता पूर्वक प्रतिदिन देखने का अभ्यास बनाएं, जिससे समय-समय पर दी जाने वाली सूचनाओं से अवगत रहें जिससे किसी को दोषी न ठहरा सकें।

27. छात्र एवं छात्रों को उचित है कि कक्षाओं, सभाओं एवं अन्य सामूहिक कार्यक्रमों में मर्यादित रूप से अलग-अलग बैठेगें तथा कक्षाओं, सभाओं एवं कार्यक्रमों की समाप्ति पर छात्र पहले छात्राओं को जाने दें बाद में स्वयं जायें द्वार पर या अन्य स्थानों पर अनावश्यक रूप से एकत्रित न हों। मर्यादा का पालन करते हुए कोई भी भाई-बहन (छात्र / छात्रा) समूह या युगल में व्यर्थ ही भम्रण न करें, न किसी स्थान पर बैठे, न ही अमर्यादित रूप से परस्पर हंसी मजाक करें या कुचेष्टा करें, यदि ऐसा करते हुए पाये जाते है तो अनुशासनात्मक कार्यवाही होगी।

28. छात्र / छात्रा जिस किसी विषय में विशेष रुचि व योग्यता रखते हैं (यथा-खेल-कूद, योगासन, गायन वादन, अनुसंधान, साहित्य लेखन आदि) उनके अन्दर कला कौशल विकसित हो इसके लिए समय-समय पर उनका मार्गदर्शन व प्रदर्शन कराया जायेगा। विश्वविद्यालय द्वारा ऐसे कार्यक्रमों का आयोजन होता रहेगा, जिसमें अच्छा प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया जायेगा, एवं सहभागिता के लिए अन्य विश्वविद्यालयों में भी भेजा जायेगा ।

29. वर्ष में एक बार विश्वविद्यालय की ओर से आयोजित अभिभावक "गोष्ठी" में (छात्र / छात्राओं)के माता-पिता / अभिभावकों को आना अनिवार्य है। ताकि विश्वविद्यालय संस्थान तथा पुत्र-पुत्रियों के गति विधियों / उनकी अध्ययन सम्बन्धी प्रगति की जानकारी प्राप्त कर सकें।

30. जनजागरुकता के लिए विश्वविद्यालय की ओर से आयोजित किये जाने वाले–स्वच्छता अभियान, मतदाता जागरुकता अभियान, वृक्षारोपण अभियान, रक्तदान अभियान आदि कार्यक्रमों में भाग लेना अनियार्य रहेगा।

31. विश्वविद्यालय के पुरातन छात्र-छात्राओं को कम से कम वर्ष में एक बार गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर त्रिदिवसीय अभिभावक शिविर में परम पूज्य स्वामी जी महाराज एवं परम पूज्य आचार्य श्री जी महाराज का पावन सानिध्य व आशीर्वाद प्राप्त होगा । इसके लिए विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय की ओर से आमंत्रित किया जायेगा । जिससे विश्वविद्यालय परिवार में विद्यार्थियों का आत्मगौरव बढ़ सके तथा नये छात्रों-छात्राओं को प्रेरणा मिल सके। कृपया आमंत्रित विद्यार्थी अपने आने की सूचना शिविर से 10 दिन पहले ही दें।

32. यद्यपि विश्वविद्यालय के सभी छात्रों-छात्राओं के हित में सभी नियम व बाध्यताएं प्रस्तुत हैं तथापि विश्वविद्यालय तथा विद्यार्थियों के उत्कर्ष के लिए विनम्रतापूर्वक मर्यादित रूप से अपने सुझाव व शिकायतें प्रस्तुत कर सकते हैं। विद्यार्थियों के द्वारा किसी भी प्रकार के विषय को लेकर परिसर में / छात्रावास में अशांति, असमरसता, अविश्वास, आक्रोश तथा विद्यार्थियों के अध्ययन को बाधित कर उनको भड़काना, भ्रमित करना, हड़ताल आदि की चेष्टा करने पर दोषी छात्र-छात्रा को दण्डित किया जायेगा। इस प्रकार के कृत्य पूर्णतया निषेध हैं।

छात्रावास नियमावली

प्राचीन भारतीय वैदिक परम्पराओं व मूल्यों को अपना आदर्श मानते हुए एवं ऋषियों के द्वारा निर्दिष्ट वैदिक जीवन पद्धति को आत्मसात् करते हुए पतञ्जलि विश्वविद्यालय अपने छात्रावास में दिव्य अध्यात्मिक चेतना से युक्त छात्रों के निर्माण हेतु संकल्पित है, अत: आशा है कि प्रस्तुत नियम एवं प्रतिबन्ध सभी अन्तेवासी आत्मकल्याण, राष्ट्रकल्याण के महान लक्ष्य की पूर्ति के लिए पूर्ण शालीनता एवं अनुशासन के साथ प्रसन्नता पूर्वक स्वीकार करेंगें।

1. पतञ्जलि विश्वविद्यालय के मूल में ऋषियों की पावनी परम्परा है अत: सभी अन्तेवासियों से अपेक्षा है कि प्रात: जागरण, योग व यज्ञ में अपनी उपस्थिति जागरुकता पूर्वक अनिवार्य रूप से सुनिश्चित करें । अनुपस्थित अन्तेवासियों के विरुद्ध अनुशासनात्मक / अर्थदण्ड /श्रमदण्ड आदि की कार्यवाही की जायेगी।

2. भोजनालय में शुद्ध सात्विक शाकाहारी भोजन की उपलब्धता निम्न समयानुसार रहेगी–
   प्रातराश :
   दोपहर का भोजन :
   रात्रि का भोजन :

   किसी को भी किसी भी प्रकार से माँसाहारी भोजन रखने, बनाने अथवा लाने की अनुमति नहीं है, यदि कोई नियम भंग करता है तो उस पर कठोर कार्यवाही की जायेगी।

3. भोजनालय से भोजन बाहर ले जाना मना है एवं बाहर का कुछ भी भोजनालय में लाकर खाना अथवा छात्रावास में भी ले जाना पूर्णत: प्रतिबन्धित है।

4. कक्षा के समय छात्रावास में किसी भी अन्तेवासी का बिना पूर्व सूचना एवं अनुमति के रहना दण्डनीय होगा ।

5. छात्रावास से किसी भी अन्तेवासी को रात्रि 10:00 बजे के पश्चात् तथा प्रात: 4 बजे से पूर्व बाहर जाने की अनुमति नहीं होगी।

6. अन्तेवासियों को निर्दिष्ट किया जाता है कि अधिकृत व्यक्ति को बिना सूचना दिये विश्वविद्यालय परिसर से बाहर जाना प्रतिबन्धित है।

7. विश्वविद्यालय एवं छात्रावास परिसर में किसी भी प्रकार के मादक द्रव्यों का प्रयोग(रखना- ले आना व ले जाना)किसी भी प्रकार से वर्जित है। (यथा- पान, बीड़ी, गुटखा, पान-मसाला, तम्बाकू, गांजा, सिगरेट, खैनी, हुक्का, बियर, मदिरा आदि)

8. अन्तेवासी बिना किसी लिखित अनुमति के अपना कक्ष नहीं बदल सकते है एवं अन्य किसी के साथ कक्ष परस्पर अदला- बदली भी नहीं कर सकते हैं ।

9. अन्तेवासी अपने कक्ष की दीवार व दरवाजे आदि पर किसी भी प्रकार का चित्र, नोटिस, पेंटिंग, अमान्य स्लोगन आदि नहीं लगायेगें जिससे की दीवार अथवा फर्नीचर आदि के खराब होने की संभावना हो।

10. विश्वविद्यालय परिसर में वाहन के रूप में केवल साईकिल चलाना ही अनुमन्य है। एवं साईकिल निर्धारित स्थान पर ही खड़ी करें।

11. अन्तेवासी अपने कक्ष में किसी भी अन्य को (जिनमें मित्र / बन्धु /अतिथि / परिजन आदि) को नहीं ले जा सकते है।

12. विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा छात्रावास में उपलब्ध कराये गये बेड, फर्नीचर, टेबल आदि को हटना, क्षतिग्रस्त करना, किसी भी प्रकार से उन पर कुछ लिखना, चिपकाना आदि पूर्णत: वर्जित है।

13. अन्तेवासियों से अपेक्षा की जाती है कि वे अपने कक्ष एवं परिसर को स्वच्छ, सुन्दर एवं व्यवस्थित रखेगें।

14. गीले / भीगे वस्त्रों को यथा स्थान पर ही सुखाने के लिए फैलायें न कि सार्वजनिक स्थानों पर व कक्ष में इधर-उधर, दरवाजों, टेबल आदि पर छोडें ।

15. अन्तेवासी अपने कक्ष की चाभी जो उन्हे दी गयी है उसे सुरक्षित रखेगें एवं खो जाने पर निर्धारित शुल्क(500 रुपये) जमा कर दूसरी चाभी प्राप्त करेगें व किसी भी स्थिति में कोई भी डुप्लीकेट चाभी नहीं बनवायेगें।

16. संस्था, एवं छात्रावास के किसी भी सम्पत्ति के क्षतिग्रस्त होने की स्थिति में सम्बन्धित दोषी छात्र से अर्थदण्ड द्वारा उसकी क्षतिपूर्ति की जायेगी एवं यदि क्षतिग्रस्त करने वाले दोषी छात्र की पहचान अन्य छात्रों द्वारा छिपायी जाती है तो सभी छात्रों पर समान रूप से अर्थदण्ड लगाकर उस सम्पत्ति के मूल्य अथवा लागत की भरपायी की जायेगी।

17. बिजली व पानी का दुरुपयोग न करें, कक्ष से निकलते समय हमेशा यह सुनिश्चित करे कि पंखा, ट्यूब लाइट आदि ठीक प्रकार से सभी विद्युत उपकरण बन्द है या नहीं। कक्ष से निकलते समय यह भी ध्यान दें कि दरवाजा, खिड़की आदि ठीक प्रकार से बन्द हों।

    किसी भी प्रकार का कैमरा, रिकार्डर, विडियो यंत्र, ऑडियो यंत्र आदि का रखना एवं प्रयोग करना तथा किसी भी प्रकार का अस्त्र, शस्त्र, धारदार हथियार, आग्नेयास्त्र आदि का रखना व प्रयोग करना भी पूर्णत: प्रतिबन्धित है।

18. छात्रावास के कक्ष में किसी भी प्रकार का विद्युत यंत्र यथा- हीटर, रूम हीटर, म्युजिक सिस्टम आदि का प्रयोग न करें एवं कमरें में गैस, सिलेण्डर, पेट्रोलादि ज्वलनशील पदार्थ न रखें छात्रावास में पूर्णत: वर्जित है।

19. छात्रावास परिसर के किसी भी कक्ष की किसी भी समय तलाशी ली जा सकती है जिसमें छात्र / छात्राओं का सहयोग अनिवार्यत: अपेक्षित है।

20. छात्रावास में अपने पास मूल्यवान आभूषण / सामग्री / नकदी आदि नहीं रखने का निर्देश दिया जाता है किसी भी चोरी आदि की स्थिति में छात्र / छात्रा स्वयं जिम्मेदार होगें ।

21. छात्रावास में अन्दर व बाहर जाने पर अनिवार्य रूप से सुरक्षा कर्मियों द्वारा सामान की जाँच करवाना तथा अवाश्यक होने पर अपना परिचय-पत्र अवश्य प्रस्तुत करना होगा ।

22. छात्रावास वार्डन / छात्रपाल द्वारा दी गयी सभी सूचनाओं का पूर्ण पालन करना अनिवार्य है एवं समय-समय पर आहूत की जाने वाली बैठकों व सभा आदि में शत-प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित की जानी चाहिए।

23. छात्रावास कार्यालय द्वारा आप के माता-पिता / संरक्षक को किसी कारणवश बुलाने पर निश्चित समय अवधि पर आना अनिवार्य है । छात्र / छात्राओं से अपेक्षित है कि वे प्रस्तुत नियमावली की एक प्रति विश्वविद्यालय की वेब साइट से लेकर अपने माता-पिता को अवश्य दिखायें।ूचंजंदरंसपण

24. यदि आप या आपका साथी किसी भी प्रकार की संक्रमित बिमारी से ग्रस्त हैं तो तुरंत छात्रपाल को सूचित करना अनिवार्य है। किसी भी साथी की रुग्णावस्था में सहानुभूति व प्रेमपूर्वक उसका ध्यान रखें एवं उसका सहयोग अपेक्षित है ।

25. छात्रावास में किसी भी प्रकार की पार्टी, गोष्ठी, जन्मदिन का आयोजन करना, शोर मचाना, उच्च स्वर में वार्तालाप, वाद-विवाद व गाना गाना आदि का पूर्णत: निषेध है ।

26. छात्रावास में शयनकालीन मन्त्र पाठ रात्रि 9:00 बजे से लेकर के प्रात: काल यज्ञ पर्यन्त मौन का वातावरण स्थापित करने में परस्पर सहयोग दें। शयनकालीन और जागरणकालीन प्रार्थनाओं में सभी अन्तेवासियों की उपस्थिति अनिवार्य है।

27. योग, यज्ञ, अध्ययन, अध्यापन, बैठकों, सभा, गोष्ठी आदि में मोबाइल का किसी भी प्रकार से प्रयोग पूर्णत: वर्जित रहेगा । स्मार्ट फोन का प्रयोग निर्धारित समय अवधि के अतिरिक्त यदि प्रयोग करते हुए पाये जाते हैं तो फोन जमा कर लिया जायेगा एवं अर्थदण्ड या श्रमदण्ड दिया जायेगा ।

28. छात्रावास के बाहर हमेशा वस्त्र की मर्यादा का ध्यान रखें छात्रों के लिए कुर्ता-पायजामा अथवा धोती-कुर्ता तथा छात्राओं के लिए सलवार-कुर्ता अथवा साड़ी ही स्वीकार्य हैं । विश्वविद्यालय परिसर या छात्रावास में छात्र-छात्राएं सजगता पूर्वक इस बात का ध्यान रखें कि वस्त्रों के रूप में भारतीय परिधान ही प्रयोग करें । भड़कीले एवं अशोभनीय पश्चिमी पहनावा स्वीकार्य नहीं हैं।

29. योग एवं खेल-कूद के समय विश्वविद्यालय से प्रदत्त व निर्धारित ट्रैक सूट, टी-शर्ट आदि ही धारण करें तथा यज्ञ में व विशेष पर्वों पर उत्तरीय व कटिवस्त्र धारण करें। छात्राएं सलवार-कुर्ता अथवा साड़ी धारण करें।

30. अन्तेवासियों को निर्देशित किया जाता है कि वैदिक संस्कृति के प्रतीक चिन्हों यथा-शिखा, यज्ञोपवीत(सूत्र)का पूर्ण मनोयोग से सम्मान करेगें एवं इन प्रतीकों को स्वयं धारण करने के साथ ही अन्यों को धारण करने हेतु उत्साहित करेगें।

योग विज्ञान विभाग के विद्यार्थियों हेतु प्रस्तावित दिनचर्या

क्र.सं.	समय	गतिविधि	समयान्तराल
1.	प्रात: 04 बजे	प्रात: जागरण	.
2.	प्रात: 04 से 05 बजे	समय नित्यकर्म	01:00 घण्टा
3.	प्रात: 05 से 06:30 बजे	प्रयोगात्मक योग कक्षा	01:30 घण्टा
4.	प्रात: 06:30 से 07 बजे	हवन (यज्ञ)	30 मिनट
5.	प्रात: 07 से 08 बजे	स्वाध्याय	01 घण्टा
6.	प्रात: 08 से 09 बजे	प्रातराश	01 घण्टा
7.	प्रात: 09:15 से 10 बजे	व्याख्यान-01/पुस्तकालय	45 मिनट
8.	प्रात: 10 से 10:45 बजे	व्याख्यान-02/पुस्तकालय	45 मिनट
9.	प्रात: 10:45 से 11:30 बजे	व्याख्यान-03/पुस्तकालय	45 मिनट
10.	प्रात: 11:30 से 12:15 बजे	व्याख्यान-04/पुस्तकालय	45 मिनट
11.	मध्याह्न 12:15 से 01 बजे	व्याख्यान-05/पुस्तकालय	45 मिनट
12.	मध्याह्न 01 से 02 बजे	मध्याह्न भोजन	01 घण्टा
13.	मध्याह्न 02 से 02:45 बजे	व्याख्यान-06/पुस्तकालय	45 मिनट
14.	मध्याह्न 02:45 से 03:30 बजे	व्याख्यान-07/पुस्तकालय	45 मिनट
15.	मध्याह्न 03:30 से 04:15 बजे	व्याख्यान-08/पुस्तकालय	45 मिनट
16.	मध्याह्न 04:30 से 05:30 बजे	विश्राम	01 घण्टा
17.	सायं 05:30 से 07 बजे	प्रयोगात्मक योग कक्षा	01:30 घण्टा
18.	सायं 07 से 07:30 बजे	विश्राम	30 मिनट
19.	सायं 07:30 से 08:30 बजे	रात्रि भोजन	01 घण्टा
20.	सायं 08:30 से 08:45 बजे	रात्रि कालीन मंत्रपाठ/ छात्रावास उपस्थिति	15 मिनट
21.	सायं 08:45 से 10:15 बजे	स्वाध्याय	01:30 घण्टा
22.	रात्रि 10:15 बजे	शयन	

Proposed Daily Schedule for the students of Department of Yoga Science

Sl. No.	Time	Activity	Duration
1.	04:00 AM	Wake Up	-
2.	04:00 to 05:00 AM	Daily Routine/Nitya Karma	01 Hours
3.	05:00 to 06:30 AM	Yoga Practical	01.30 Hours
4.	06:30 to 07:00 AM	Yajya/Hawan	30 Minutes
5.	07:00 to 08:00 AM	Self Study	01 Hours
6.	08:00 to 09:00 AM	Breakfast	01 Hours
7.	09:15 to 10:00 AM	Theory Lecture 1/Library	45 Minutes
8.	10:00 to 10:45 AM	Theory Lecture 2/Library	45 Minutes
9.	10:45 to 11:30 AM	Theory Lecture 3/Library	45 Minutes
10.	11:30 to 12:15 PM	Theory Lecture 4/Library	45 Minutes
11.	12:15 to 01:00 PM	Theory Lecture 5/Library	45 Minutes
12.	01:00 to 02:00 PM	LUNCH	01 Hours
13.	02:00 to 02:45 PM	Theory Lecture 6/Library	45 Minutes
14.	02:45 to 03:30 PM	Theory Lecture 7/Library	45 Minutes
15.	03:30 to 04:15 PM	Theory Lecture 8/Library	45 Minutes
16.	04:15 to 05:30 PM	Rest	01:15 Hours
17.	05:30 to 07:00 PM	Yoga Practical	01.30 Hours
18.	07:00 to 07:30 PM	Rest	30 Minutes
19.	07:30 to 08:30 PM	Dinner	01 Hours
20.	08:30 to 08:45 PM	RatriKalin Mantra Path/Hostel Attendance	15 Minutes
21.	08:45 to 10:15 PM	Self Study	01.30 Hours
22.	10:15 PM	Good Night	-

NO RAGGING

रैगिंग क्या है?

कोई भी व्यवहार चाहे वह मौखिक, लिखित अथवा कोई ऐसा कृत्य जिससे कि दूसरे व्यक्ति को परेशानी, छेड़छाड़, अभद्र व्यवहार से पेश आना अथवा शोर शराबा या अनुशासनहीनता की गतिविधियों में भाग लेना जिसका प्रभाव किसी को कोपन, कठिनाई अथवा मानसिक क्षति या फिर भय और उसका अंदेशा किसी विश्वविद्यालय में प्रवेश पा रहे अथवा कनिश छात्र अथवा इनसे कोई ऐसा कार्य करने के लिए कहना जो कि साधारणतया वह नहीं करेगा और जिसका प्रभाव उसमें हीनता अथवा लज्जा का मान पैदा करे, जिससे कि उसके शारीरिक एवं मानसिक सन्तुलन पर विपरीत प्रभाव पड़े। यदि कोई भी कृत्य कनिश छात्रों की नियमित शिक्षण गतिविधि को विघ्निता एवं अस्त-व्यस्त करता है, भी रैगिंग में शामिल हो। इसके अतिरिक्त किसी कनिश छात्र की सेवाओं का शोषण करना जिससे कि उसकी नियमित शिक्षा बाधित हो। किसी से पैसे ऐठना अथवा कोई बलात् या जबरन आर्थिक व्यय का बोझ कनिश छात्र/छात्राओं पर डालना, कोई भी शारीरिक यातना अथवा यौन शौषण एवं इससे सम्बद्ध अन्य विकृत रूप जिससे कि व्यक्ति के स्वास्थ्य पर प्रभाव पड़ता हो अथवा कोई ऐसा कृत्य या अनुचित भाषा का प्रयोग, अणुवाक् (E-mail) पत्र प्रेषण, सार्वजनिक अपशब्द कहना, जिससे दूसरों को नीचा दिखाने व परेशान करने से आनन्द मिलता हो, ऐसा कोई कृत्य जिससे कि कनिश छात्र के आत्मविश्वास अथवा मानसिक स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव पड़ता हो अथवा अपनी श्रेशता का आभास दिखाने हेतु प्रदर्शन अथवा बल श्रेशता का प्रदर्शन करना शामिल हो।

रैगिंग के लिए दण्डनीय सामग्री :

1. रैगिंग के लिए उकसाना।
2. आपराधिक षड्यन्त्र करना।
3. रैगिंग करते समय अवांछित कृत्य के लिए एकत्रित होना।
4. सामाजिक शोरगुल करना।
5. सभ्य एवं नैतिक मूल्यों का हनन।
6. शरीर को चोट पहुंचाना अथवा घातक प्रहार करना।
7. किसी को गलत नियत से रोकना या बन्दी बनाना।
8. आपराधिक बल का प्रयोग।
9. आक्रामक प्रहार करना अथवा यौन व अप्राकृतिक कृत्य।
10. पैसे ऐठना।
11. किसी स्थान पर आपराधिक रूप से प्रवेश करना।
12. सार्वजनिक सम्पत्ति को क्षति पहुंचाना।
13. आपराधिक कृत्यों के लिए उकसाना।
14. उपरोक्त दिये गये किसी भी अपराध को पीड़ित व्यक्ति पर करने की कोशिश करना।
15. शारीरिक एवं मानसिक तौर से अपमानित करना।
16. रैगिंग की परिभाषा में निहित सभी कृत्य दण्डनीय होंगे।

विशेष: रैगिंग से प्रभावित छात्र-छात्राएं निम्नलिखित नम्बरों पर तुरन्त सूचना दें:

संकायाध्यक्ष प्रशासन	-	7302745111
पुरुष छात्रावास अधीक्षक	-	9313186405
महिला छात्रावास अधीक्षिका	-	9760000163
पुलिस हेल्प लाइन	-	100

What is Ragging?

Any conduct whether by words spoken or written or by an act which has the effect of harassing, teasing, treating or handling with rudeness any other student, indulging in rowdy or undisciplined activities which causes or is likely to cause annoyance, hardship or psychological harm or to raise fear or apprehension thereof in a fresher or a junior student or asking the student to do any act or perform something which such student will not in the ordinary course and which has the effect of causing or generating a sense of shame or embarrassment so as to adversely affect the physique or psyche of a fresher or a junior student. The conduct includes but is not restricted to any act by a senior student that prevents, disrupts or disturbs the regular academic activity of any other student for completing the academic tasks assigned to an individual or a group of student; any act of financial extortion or forceful expenditure burden put on a fresher or any other students by student; any act of physical abuse including all variants of it : sexual abuse, homosexual assaults, stripping, forcing obscene and lewd acts, gestures, causing bodily harm or any other danger to health or person: any act or abuse by spoken words, emails, post, public insults which would also include deriving perverted pleasure, "vicarious or sadistic thrill from activity or passively participating in the discomfiture to fresher or any other students any act that affects the mental health and self-confidence of a fresher or any other student with or without an intent to derive a sadistic pleasure or showing off power, authority or superiority by a student over any fresher or any other student"

Punishable ingredients of Ragging:-

1. Abetment to ragging:
2. Criminal conspiracy to rag:
3. Unlawful assembly and rioting while ragging:
4. Public nuisance created during ragging:
5. Violation of decency and morals through ragging;
6. Injury to body, causing hurt or grievous hurt;
7. Wrongful restraint;
8. Wrongful confinement;
9. Use of criminal force;
10. Assaults a well as sexual offences or even unnatural offences;
11. Extortion;
12. Offences against property;
13. Criminal intimidation
14. Attempts to commit any or all of the above mentioned offences against the victim (s)
15. Physical or psychological humiliation.
16. All other offences following from the definition of "Ragging"

Note : The students who are affected with Ragging, may inform officers on following numbers :

Dean Academics	-	**7302745111**
Boys Hostel Warden	-	**9313186405**
Girls Hostel Warden	-	**9760000163**
Police Help Line No.	-	**100**

राष्ट्रीय सेवा योजना

वार्षिक महोत्सव– 2019

पतंजलि विश्वविद्यालय, हरिद्वार

मैं नहीं परन्तु आप

पतंजलि योग पीठ
PATANJALI RESEARCH INSTITUTE
Presents
Research Review Conference

विश्वविद्यालय, हरिद्वार

राष्ट्रियसंस्कृतसंस्थानम्

पतंजलि विश्वविद्यालय
UNIVERSITY OF PATANJALI

HEAD OFFICE

Delhi-Haridwar National Highway, Near Bahadrabad, Haridwar- 249405
Phone: 01334-242526, 240008, 273042
Email: contact@uop.edu.in | Web: www.universityofpatanjali.com